वर्ष: 7- अंक: 144, मुंबई, शुक्रवार, 28 जुलाई, 2017 , मूल्य:1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

आयशा टाकिया के पति को हत्या की धमकी

मामला हिंदू लड़की से शादी करने का

मुंबई। होटल व्यवसायी और समाजवादी पार्टी नेता अबू आजमी के बेटे फरहान आजमी को फोन पर जान से मारने की धमकी मिली है। फोन करने वाले ने फरहान से कहा है कि उन्होंने एक हिंदू लड़की से शादी की है इसलिए उन्हें जान से मार दिया जाएगा। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

हिंदू फैमिली से आती हैं आयशा

अबू फरहान आजमी एक होटल व्यवसायी हैं। उन्होंने मुंबई के स्कॉलर हाईस्कूल, कोलाबा, जयहिंद और सिडनेहम कॉलेज, मुंबई से पढ़ाई की है। फरहान ने साल 2009 में फिल्म एक्ट्रेस आयशा टाकिया से शादी की थी। शादी से पहले दोनों का कई साल तक अफेयर चला था। फरहान मुस्लिम फैमिली से आते हैं और आयशा के पिता हिंदू हैं। उनकी मां एक एंग्लो इंडियन थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शादी के बाद आयशा ने इस्लाम स्वीकार कर लिया था। हालांकि उनकी ओर से कभी इस बात की पुष्टि नहीं की गई। आयशा और फरहान के एक 4 साल का एक बेटा भी है। उसका नाम मिकाइल है।

होटल व्यवसाय से 4 साल में डबल की संपत्ति

फरहान कई साल से पिता के समान ही रेस्टोरेंट के बिजनेस में हैं। इस बिजनेस से इन्होने सिर्फ 4 साल में 2 गुना प्रॉपर्टी बनाई है। 2010 में जब वे सपा की ओर से भिवंडी के उपचुनाव में खड़े हुए थे, तो उनकी संपत्ति 16 करोड़ रु. थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में जब वे उत्तरी मुंबई से चुनाव लड़े तो उनकी संपत्ति 64 करोड़ रु. थी।

नीतीश की अग्निपरीक्षा

आज करना है बहुमत साबित

पटना। नीतीश कुमार आज बिहार विधानसभा में बहुमत साबित करेंगे। वैसे तो एनडीए के साथ आने से उन्हें 122 सीटों का आंकड़ा छूने में दिक्कत नहीं आएगी लेकिन ये भी कहा जा रहा है कि कुछ विधायक पाला भी बदल सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो नीतीश और उनके नए अलायंस पार्टनर एनडीए को दिक्कत हो सकती है। बिहार विधानसभा में कुल 243 विधायक हैं। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

जेडीयू में टूट हुई तो....

आरजेडी के 80 और कांग्रेस के 27 विधायक हैं। इनका फिगर 107 होता है। इसमें बहुमत के लिए 15 विधायक कम पड़ते हैं। तेजस्वी का दावा है कि जदयू के 24 विधायक उनके संपर्क में हैं। अगर आरजेडी जेडीयू के 24 विधायकों को तोड़ने में कामयाब रहती है तो खेल बदल भी सकता है। नीतीश फ्लोर टेस्ट में फेल हो सकते हैं।

लालू ने कहा मेरे 80 विधायक

इस्तीफा देने के बाद नीतीश ने राज्यपाल के सामने एनडीए के सपार्ट से नई सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके बाद राज्यपाल ने नीतीश को मौका दिया। आरजेडी इसे गलत बता रही है। उसका कहना है कि उनके पास सबसे ज्यादा 80 विधायक हैं।

एक सच्चा मुसलमान गर्दन कटवा देगा लेकिन वंदे मातरम नहीं गायेगा: अबू आजमी (पढ़ें पृष्ठ 3 पर)

लालबागचा राजा के मूर्तिकार विजय खातू का निधन (पढ़ें पृष्ठ 5 पर)

संसद में विपक्ष पर बरसी सुषमा, कहा- सच जल्द आएगा सामने (पढ़ें पृष्ठ 6-7 पर)

दीपिका को छोड़ रणवीर ने ढूंढ ली नई गर्लफ्रेंड!! (पढ़ें पृष्ठ 12 पर)

फ्लाइट में अब मिलेंगे हिंदी अखबार

डीजीसीए ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइंस को सलाह दी है कि विमान में हिंदी समाचार पत्रों और मैगजीन को रखना होगा। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

आरजेडी में भी फूट

'लालू के पुत्रमोह में गई सरकार'

नई दिल्ली। बिहार में नीतीश कुमार के महागठबंधन छोड़ने और फिर से मुख्यमंत्री बनने के बाद आरजेडी में भी फूट पड़ गई है। आरजेडी के गायघाट से पांच बार विधायक रहे महेश्वर प्रसाद यादव ने कहा है कि लालू के पुत्रमोह की वजह से सरकार गिर गई। महेश्वर यादव ने कहा, महागठबंधन टूटने का हमें ही नहीं बल्कि जितनी भी बिहार की जनता है जिसने आरजेडी को वोट दिया था उन सबको भारी मलाल है। उन्होंने कहा कि आरजेडी दल के ज्यादातर विधायक चाहते थे कि तेजस्वी यादव इस्तीफा दे दें लेकिन नेतृत्व के सामने बोल नहीं पाते थे। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इमारत खतरनाक नहीं थी
उससे छेड़छाड़ की गई थी: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि घाटकोपर में गिरी इमारत खतरनाक नहीं थी। न ही इमारत में हो रहे अवैध निर्माण कार्य में किसी अधिकारी के खिलाफ किसी ने शिकायत की थी। इमारत गिरने की वजह के बारे में अभी निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्राथमिक रूप से यह जानकारी मिल रही है कि इमारत की बीम और कॉलम से छेड़छाड़ की गई है।

फडणवीस ने कहा कि हादसे के बाद अधिकारियों ने जो तस्वीरें ली हैं उनमें कॉलम और बीम में कट लगे दिख रहे है। फिर भी,

अगर जांच में कोई अधिकारी दोषी पाया गया तो उस पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि तत्परता से काम करने के लिए फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीम का अभिनंदन होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में ऐलान किया कि इमारत हादसे में मरने वालों को सरकार 2 लाख रुपये और अपंगों को 1 लाख रुपये मुआवजा देगी। घायलों के इलाज का खर्च सरकार उठाएगी।

घाटकोपर में हुए हादसे की गूंज बीएमसी सभागृह में भी उठी। शिवसेना नेता पर कार्रवाई की मांग पर महापौर ने कहा कि गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा। एनसीपी की ग्रुप नेता राखी जाधव ने इस मुद्दे को उठाते हुए प्रशासन की लापरवाही की ओर इशारा किया।

कॉल नहीं, अब अंडरवर्ल्ड भेज रही हैं ऑडियो रिकॉर्डिंग

मुंबई, अंडरवर्ल्ड सरगनाओं ने धमकी देने और अपने पंटरों के साथ बात करने का नया तरीका निकाला है। अब वह कॉल्स कम करते हैं, ऑडियो रिकॉर्डिंग ज्यादा वॉटसऐप करते हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पहले सरगनाओं और उनके पंटरों के बीच फोन पर सीधे वार्तालाप होती थी। पुलिस द्वारा कॉल टेप करने पर उनकी पूरी साजिश सामने आ जाती थी। अब सरगना विदेश से अपनी कुछ मिनट की ऑडियो रिकॉर्डिंग भेज देते हैं। सामने वाला पंटर उस रिकॉर्डिंग को सुनता है और फिर अपना जवाब भी रिकॉर्डिंग करके वॉट्सऐप कर देता है। सट्टेबाज भी इसी तरीके का इस्तेमाल कर रहे हैं।

चूंकि अंडरवर्ल्ड सरगनाओं के वॉट्सऐप नंबर विदेश के होते हैं, मूल नाम के होते ही नहीं, इसलिए यदि

गलती से नंबर का थोड़ा डिटेल मिल भी गया, तो यह ट्रेस करना बहुत मुश्किल होता है कि ऑडियो रिकॉर्डिंग किस सरगना की है और किस जगह से भारत में भेजी गई है? कुछ मामलों में सरगनाओं ने हफ्ता मांगने वालों को भी ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी है, पर सूत्रों का कहना है कि काफी लोगों ने पुलिस में शिकायत ना करना ही बेहतर समझा। अंडरवर्ल्ड में प्रारंभ में लैंडलाइन से कॉल्स करने का प्रचलन था। उस वक्त में पीसीओ से किसी को भी धमकी भरे फोन कर दिए जाते थे। बाद में जब मोबाइल का युग आया, तब इससे हफ्ते के फोन किए जाने लगे। बाद में अंडरवर्ल्ड ने इंटरनेट कॉलिंग से वार्तालाप शुरू की। वीआईपी कॉल्स अभी भी बहुत की जाती हैं। सेटेलाइट और स्काइप से भी दर्जनों शूटआउट्स की साजिश रची गईं। कई मर्डर में लंदन के ऐसे इंटरनैशनल सिम कार्ड यूज किए गए, जिसमें इनकमिंग तो फ्री में होती है, पर ऑउटगोइंग के प्रति मिनट कई सौ रुपये लगते थे। ऐसे कार्ड इसलिए ज्यादा खरीदे गए, क्योंकि इनमें किसी तरह के दस्तावेजों की जरूरत नहीं होती थी। ऐसे कार्ड दुबई में मिलते थे।

फोन में सोना छिपाकर ले जा रहा था एयरलाइन का कर्मचारी, धरा गया

मुंबई, एयरलाइन के एक कर्मचारी के पास भारी मोबाइल फोन देखकर अधिकारियों को कुछ गड़बड़ी का शक हुआ। जांच करने पर इस मोबाइल से 464 ग्राम तस्करी का सोना जब्त किया गया। सुरक्षाकर्मियों ने उसे हिरासत में ले लिया। मोबाइल में बैटरी रखने की जगह सोना छुपाया गया था। खान मोहम्मद आरिफ नाम का आरोपी एयर इंडिया एयर ट्रांसपॉर्ट सर्विस में अनुबंधित कर्मचारी था। खान फ्लाइट में सामान को लोड और अनलोड करने का काम किया करता था। सुबह लगभग 9 बजे जब वह टर्मिनल 2 की तरफ जा रहा था तभी उकरत्र कॉन्स्टेबल ने उसकी तलाशी ली। आरोपी के पास दो मोबाइल थे। तलाशी के दौरान उसने मोबाइल को अलग रखने की कोशिश की। कॉन्स्टेबल आलोक सिंह भदोरिया को लगा कि यह मोबाइल सामान्य से ज्यादा भारी है। स्विच ऑन करने की कोशिश की तो पता लगा मोबाइल में बैटरी

ही नहीं थी। कमान्डेंट एसके मोहानका ने बताया कि वहां एक्स रे मशीन के जरिए शरीर की जांच तो हो जाती है लेकिन मोबाइल की जांच के लिए भी सुरक्षाकर्मियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'मोबाइल को खोलने पर कॉन्स्टेबल को बैटरी की जगह 4 सोने के बिस्किट मिले। इसपर दुबई का निशान था।'

एक अधिकारी ने बताया, 'खान एक साल के अनुबंध पर काम कर रहा था। वह 15,000 से 21,000 तक महीने कमा लेता था। वह एमबीए ग्रैजुएट है और नागपाडा में उसका अपना घर है। उसके पास एयरपोर्ट पर अराइवल और डिपार्चर सेक्शन का एंट्री पास है। उसकी सर्विस टर्मिनेट कर दी गई है।'

मेट्रो के टिकट की लाइन से मिलेगी यात्रियों को छुट्टी, जल्द मोबाइल से एंट्री

मुंबई, मुंबई मेट्रो में यात्रियों को सफर करने के लिए अब कतार में खड़े रहने की जरूरत नहीं होगी। मेट्रो प्रबंधन अगस्त से क्यूआर कोड की सुविधा प्रदान करेगा, जिसकी मदद से यात्री सीधे प्रवेश प्रवेश कर पाएंगे। बता दें कि घाटकोपर से वर्सोवा तक चलने वाली मुंबई मेट्रो-1 के बीच चलाई जाती है। इससे रोजाना 3 लाख 80 हजार यात्री सफर करते हैं। कई बार ऐसा होता है कि यात्रियों को टोकन लेने के लिए 20 से 25 मिनट लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। ऐसे में उनकी ट्रेन छूट जाती है और वह अपनी मंजिल पर पहुंचने के लिए लेट हो जाते हैं। इसलिए मेट्रो प्रबंधन ने यात्रियों को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए क्यूआर कोड के तहत यात्रा कर सकने की सुविधा की शुरूआत करने का निर्णय लिया है।

ऐसे करेगा काम

मेट्रो प्रवक्ता के मुताबिक, स्मार्टफोन उपयोग करने वाले ग्राहक अपने फोन में

ई-वॉलिट जैसे की पेटीएम, फ्री-रिचार्ज जैसे ऐप का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें मेट्रो यात्रा का विकल्प दिया जाएगा। हालांकि, मेट्रो प्रबंधन ई-वॉलिट के लिए 3 कंपनियों के साथ डील कर रहा है। अगस्त के पहले सप्ताह में ई-वॉलिट कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। ई-वॉलिट के मेट्रो यात्रा के विकल्प में जाकर कहां से कहां तक यात्रा करनी है वह भरने के बाद उसकी कीमत अदा करते ही एक क्यूआर कोड उत्पन्न होगा। इस क्यूआर कोड को मेट्रो के प्रवेश द्वारा पर लगी सेंसर मशीनों पर स्कैन कर यात्री प्लैटफॉर्म की ओर प्रवेश कर सकेंगे।

मोबाइल बैटरी रखनी होगी चार्ज

इसका इस्तेमाल करने वाले यात्रियों को अपने फोन की बैटरी चार्ज रखनी होगी। यदि सफर के दौरान यात्री का फोन बंद पड़ जाता है, तो फिर उसके पास फोन चार्ज कर क्यूआर कोड दिखाने के अलावा को कोई विकल्प नहीं होगा, नहीं तो यात्री को दूसरा टिकट खरीदना पड़ेगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

संजय को पैरोल देने में नियम तोड़े गए तो फिर भेज सकते हैं जेलः राज्य सरकार

मुंबई। संजय दत्त की जेल से जल्द रिहाई मामले की गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान महाराष्ट्र सरकार की तरफ से दलील दी गई। सरकार ने कहा, अगर संजय दत्त को पैरोल या फर्लो देने में नियम तोड़े गए हैं, तो उन्हें वापस जेल भेजे जाने पर सरकार को कोई एतराज नहीं है। हाईकोर्ट ने सरकार से कहा कि वह एक्टर के अच्छे बर्ताव को पैरोल के लिए मानदंड माने जाने पर एक नया हलफनामा पेश करे। बता दें कि संजय दत्त को गैरकानूनी तौर पर हथियार रखने के मामले में जेल हुई थी। महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें अच्छे बर्ताव के आधार पर कई महीने पहले रिहा कर दिया था। रिहाई को एक पिटीशन के जरिए चैलेंज किया गया है। खबर के मुताबिक इससे पहले इस मामले की सुनवाई 17 जुलाई को हुई थी। उस दिन भी महाराष्ट्र सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में तर्क दिए गए थे, लेकिन कोर्ट संतुष्ट नहीं हुआ था। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा था, आखिर संजय दत्त ने ऐसे कौन से अच्छे काम किए, जिसकी वजह से उन्हें जल्द रिहा कर दिया गया?

महाराष्ट्र सरकार ने पहले क्या कहा था?

राज्य सरकार की ओर से 17 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल किया गया था। इसमें कहा गया है, संजय दत्त को जेल से आठ महीने पहले रिहा किए जाने के मामले में किसी भी तरह रूल्स का वॉयलेशन नहीं किया गया। सरकार ने अदालत को बताया कि जेल में संजय को जो भी काम दिए गए, वो उन्होंने वक्त से पहले पूरे किए। इस दौरान उनका बर्ताव भी अच्छा था।

हाईकोर्ट का सवाल

सरकार की दलीलें हाईकोर्ट ने मंजूर नहीं की। उसने सरकार से पूछा कि आखिर जेल में सजा काटते वक्त संजय दत्त ने ऐसे कौन से अच्छे काम किए और उनका व्यवहार कैसे अच्छा था? यह बात अदालत को भी बताई जाए। इसके साथ ही सुनवाई 2 हफ्ते के लिए टाल दी गई थी।

क्यों शुरू हुआ मामला?

पुणे के सोशल एक्टिविस्ट प्रदीप भालेकर ने संजय को 8 महीने पहले ही पुणे के येरवडा जेल से रिहा किए जाने के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में पिटीशन दाखिल की है। सजा के दौरान संजय को 120 दिन की पैरोल और 44 दिन की फर्लो भी मिली थी। इसके बावजूद उन्हें आठ महीने पहले रिहा कर दिया गया था। बता दें कि मुंबई में 1993 में हुए सीरियल बम विस्फोट मामले में संजय दत्त को गैरकानूनी तौर पर हथियार रखने का दोषी पाया गया था। स्पेशल टाडा कोर्ट ने उन्हें जुलाई 2007 में 6 साल की सजा और 25 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई थी। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे घटाकर 5 साल कर दिया था।

वीवीआईपी हवाई सफर के लिए बनेगा मैन्युअल, सीएम ने की घोषणा

मुंबई। महाराष्ट्र में विशिष्ट एवं अति विशिष्ट व्यक्तियों (वीवीआईपी) के हवाई सफर के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) बनाई जाएगी। इसके साथ ही सरकार हेलीपैड लोकेशन पॉलिसी भी बना रही है। बुधवार को विधान परिषद में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वीवीआईपी के हवाई सफर के लिए कोई नियमावली नहीं है। इसलिए सरकार ने एसओपी तैयार करने का फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने हेलीपैड लोकेशन पॉलिसी भी तैयार करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर हम जहां पर खुली जगह देखते हैं, वहीं हेलिकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड बना देते हैं। लेकिन हेलीपैड नीति लागू होने से चिन्हित स्थानों पर ही वीवीआईपी का हेलिकॉप्टर उतारा जा सकेगा। इसके साथ ही पुराने हेलीपैड का ऑडिट भी किया जाएगा। सदन में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सदस्य शरद रणपीसे ने मुख्यमंत्री के लातूर के निलंगा में हुए हेलिकॉप्टर हादसे को लेकर सवाल पूछा था। रणपीसे ने कहा कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के सफर के दौरान जिस तरह से ब्लू बुक के नियमों का पालन किया जाता है। उसी तरह राज्य सरकार की तरफ से वीवीआईपी की सुरक्षा के मद्देनजर नियमावली बनाई जानी चाहिए। इसी बीच कांग्रेस के संजय दत्त ने कहा कि हेलिकॉप्टर की मरम्मत पर नजर नहीं रखी जाती। क्योंकि डीजीसीए के पास इसके लिए स्टाफ नहीं है। दत्त ने कहा कि विशिष्ट व्यक्तियों को लेकर होने वाली दुर्घटनाओं के जांच के आदेश तो दे दिए जाते हैं, लेकिन उसकी जांच रिपोर्ट आने में बहुत समय लगता है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप के सुझावों पर ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान विपक्ष के नेता धनंजय मुंडे ने कहा कि निलंगा के बाद रायगड के अलीबाग में हादसा हुआ। इसलिए दोनों घटनाओं की जांच होनी चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र वाली विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) के जरिए हादसे की जांच शुरू है। इस मामले में पायलट संजय कर्वे और सहयोगी पायलट मोहित शर्मा का लाइसेंस निलंबित किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने नया हेलिकॉप्टर खरीदने का निर्णय लिया है। नया हेलिकॉप्टर आने तक किराए के हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाएगा।

अलीबाग के हादसे की कहानी, मुख्यमंत्री की जुबानी

रायगड के अलीबाग में हुए मुख्यमंत्री के हेलिकॉप्टर हादसे के वक्त मुख्यमंत्री कार्यालय ने दावा किया था कि ऐसी कोई घटना हुई ही नहीं है, लेकिन बुधवार को विधान परिषद में मुख्यमंत्री ने खुद इस घटना का ब्यौरा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस दिन की घटना आश्चर्यजनक थी। उन्होंने बताया कि मुंबई से जाते समय अलीबाग के हेलीपैड पर पहुंचने के बाद हेलिकॉप्टर का पंखा शुरू ही था कि पायलट ने हमें उतरने को कहा। हम लोग बिना कुछ सोचे उतर गए। इसके बाद वापस आते समय जब हमारा काफिला हेलीपैड पर पहुंचा, तो हमारे हेलिकॉप्टर में सवार होने से पहले ही पायलट ने हेलिकॉप्टर का पंखा शुरू कर दिया। यह देखकर हमें थोड़ा आश्चर्य हुआ। लेकिन हमें लगा कि पायलट बोल रहा है तो हम बैठ जाते हैं। मेरे हेलिकॉप्टर में बैठने से पहले पायलट ने हेलिकॉप्टर को उड़ा दिया। यदि मैं हेलिकॉप्टर के करीब पहुंच जाता और उसका गेट खुला रहता तो बड़ा हादसा हो सकता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुभवी होने के बाद बावजूद न जाने हेलिकॉप्टर के पायलट ने ऐसा क्यों किया?

एक सच्चा मुसलमान गर्दन कटवा देगा लेकिन वंदे मातरम नहीं गायेगाः अबू आजमी

मुंबई। अपने विवादित शब्दों के लिए फेमस समाजवादी पार्टी नेता अबू असीम आजमी ने फिर एक बार विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि, कोई सच्चा मुसलमान वंदे मातरम नहीं गा सकता, भले ही गर्दन क्यों ना कटवानी पड़े।

उनके इस बयान के बाद अब हंगामा खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र के बीजेपी विधायक राज पुरोहित ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए राज्य के सभी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी दफ्तरों में 'वंदे मातरम' को कंपलसरी करने की बात कही थी। अबू आजमी का बयान पुरोहित के इसी बयान के बाद आया है।

मुंबई में मीडिया से बात करते हुए आजमी ने कहा, एक सच्चा मुसलमान वंदे मातरम नहीं गाएंगा। हालांकि, मैं वंदे मातरम का सम्मान करता हूं, लेकिन मेरा धर्म ये गवाही नहीं देता कि मैं वंदे मातरम गाऊं, इसके लिए भले ही सरकार मुझे जेल में क्यों न डाल दे या देश से बाहर निकल दे। लेकिन मेरा धर्म जिन बातों की इजाजत नहीं देता मैं वो नहीं करूंगा।

एआईएमआईएम का मिला साथ

एआईएमआईएम के एमएलए वारिस पठान ने भी अबू आजमी का साथ देते हुए कहा है कि,अगर मेरे गर्दन पर ये चाकू भी रखे तो भी मैं वंदे मातरम नहीं बोलूंगा। ये किसी पर भी अपनी आइडियोलॉजी नहीं थोप सकते। मैं वंदे मातरम नहीं बोलूंगा, मेरा धर्म, कानून और संविधान इसकी मंजूरी नहीं देता। कोई विधानसभा में ये मामला उठाएगा तो भी मैं उसका विरोध करूंगा।

इन्हें देश छोड़ देना चाहिएः शिवसेना

इस मामले में कूदते हुए शिवसेना के नेता दिवाकर रावते ने कहा कि, छुरी रखने का सवाल नहीं है। अगर उनको वंदे मातरम गाने में इतनी शर्म आती है तो वो खुद देश से निकल जाएं। यह हमारी मातृ भूमि है और अगर इस भूमि को स्वतंत्र करने वाले गीत को लेकर उन्हें कोई आपत्ति है तो उन्हें फिर देश छोड़ देना चाहिए।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें। **(9619102478)**

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे) **(9619102478)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

नीतीश की ताकत और बढ़ी

कभी प्रधानमंत्री पद के दावेदार और अभी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो दांव खेला है, वह थोड़ा चौंकाता जरूर है, लेकिन अप्रत्याशित नहीं है। नीतीश गुजरे कई महीनों से ही राष्ट्रीय जनता दल सहित तमाम विपक्षी दलों से खुद को अलग करने में लगे थे। नोटबंदी से लेकर राष्ट्रपति चुनाव तक में उन्होंने विपक्ष से अलग रुख लिया। भ्रष्टाचार के एक मामले में बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ एक मामला इसी बीच सामने आया। जिस रोज तेजस्वी यादव के ठिकाने पर छापा पड़ा, उसी रोज राजनीतिक विश्लेषकों ने अनुमान लगाया कि बिहार के महागठबंधन में दरार पडने वाला है। आखिर वह पल बुधवार को आ गया। नीतीश कुमार ने बिहार के कार्यवाहक राज्यपाल को यह कहते हुए अपना इस्तीफा सौंप दिया कि वर्तमान परिस्थितियों में उनके लिए काम करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने लालू प्रसाद और तेजस्वी से कहा कि लगे आरोपों पर वे स्पष्टीकरण दें। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इससे गलत धारणा बन रही थी। इसलिए अंतरात्मा की आवाज पर मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया। इस तरह नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। लगे हाथ राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। कहा कि दागी नेताओं को संरक्षण देने वाले अध्यादेश की कॉपी फाड़ने वाले राहुल गांधी ने इस मामले में बिल्कुल चुप्पी साध रखी थी। उन्होंने कहा कि बिहार के हित में जो होगा, वे वो करेंगे। और यह भी कम अहम नहीं कि उनके इस्तीफे के आधे घंटे के अंदर प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के नीतीश के फैसले का स्वागत किया, जवाब में नीतीश ने भी उनका शुक्रिया अदा किया। बिहार विधानसभा में जदयू के 71 व एनडीए के 58 सदस्य हैं। इस तरह दोनों को मिलाकर पूर्ण बहुमत है। भाजपा ने उन्हें समर्थन का ऐलान भी कर दिया है। लिहाजा यह तकरीबन साफ है कि भ्रष्टाचार विरोधी अपनी कथित छवि की रक्षा करते हुए नीतीश सत्ता में लौट आये हैं। पर यह जरूर पूछा जाएगा कि 2015 में जब उन्होंने लालू से हाथ मिलाया, तब उनके लिए राजद नेता पर लगे दाग महत्वहीन क्यों हो गए थे? तब उन्होंने संघ-मुक्त भारत बनाने का नारा दिया था। क्या अब इस मकसद ने महत्व खो दिया है? नीतीश की विशेषता है कि बिहार में एक कमजोर ताकत होने के बावजूद वे पिछले 12 साल से सत्ता में बने हुए हैं। ऐसा उन्होंने चालाकी से अपने सियासी पत्ते खेलते हुए किया है। कभी अधिक मजबूत आधार वाली भाजपा, तो कभी राजद उन्हें नेता मानने पर मजबूर हुए। अब नीतीश कुमार बदले हालात में बदले हुए साथी के साथ सियासी रूप से और सुरक्षित व मजबूत नजर आ रहे हैं।

- दिलशाद खान

सुविचार

असफलता का मौसम सफलता के बीज बोने के लिए सर्वश्रेष्ठ समय होता है।

बेरहम जमाने में घरेलू हिंसा का दाग

बीते हफ्ते जब मानसून सत्र में संसद गोकशी, कथित गोरक्षकों द्वारा मचाए गए तांडव और सर्वोच्च न्यायालय भारतीय नागरिकों के निजता अधिकार की परिधि पर बहस में मुब्तिला थे, तभी एक सफल और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर असमिया मॉडल द्वारा पति के हाथों कथित रूप से प्रताड़ित हो आत्महत्या करने की लोमहर्षक रपट भी सुर्खियों में थी। बॉलीवुड की एक युवा अभिनेत्री जिया खान की कथित आत्महत्या भी अब तक रहस्य में घिरी है और उसकी मां के अनुसार यह काम उसके पार्टनर का है, जो अपने पिता के रसूख की वजह से अब तक छुट्टा घूम रहा है। कन्नड़ फिल्मों के एक सुपर स्टार की पत्नी ने भी मार-पीट के बाद जब हालत अस्पताल में दाखिल होने तक जा पहुंची, तब जाकर पति के खिलाफ रपट दर्ज कराई। उससे कुछ ही पहले लंदन उच्चायोग के एक उच्च अधिकारी के द्वारा अपनी पत्नी के साथ शारीरिक बदसलूकी के संगीन मामले ने देश की सरकार को भी शर्मसार किया, और हाल में एक अन्य धर्म के लड़के से शादी करने के कारण एक लड़की को दो साल बाद गांव जाते ही उसके परिजनों द्वारा जान से मार दिया गया। इस तरह की घटनाओं के बारे में हम आए दिन सुनते-पढ़ते हैं। विडंबना यह है कि हमारे यहां इस तरह की लगभग सभी घटनाओं को पहले तो दबाने की कोशिश होती है और उनके फिर भी प्रकाश में आ जाने पर पीड़िता को न्याय और दोषी को कड़ा दंड दिलवाने की पेशकश के बजाय पीड़िता को ही किसी 'अस्त्रियोचित आचरण से ऐसी हिंसा न्योतने का दोषी माना जाना आम है। परिवार, पत्रकार और पुलिस, हर स्तर पर अधिकतर पीड़िता का पक्ष जानने की बजाय उस पर हुए हिंसक हमले पर लीपापोती करने और मामला दबाने की तमाम कोशिशें होती हैं। यदि अभागी औरत बच रही तो देश से परिवार तक की इज्जत और मासूम बच्चों का हवाला देकर उस पर दबाव डाला जाने लगता है कि वह पुलिस थाने से अपनी शिकायत वापिस ले ले और अत्याचारियों से तालमेल बिठाने के सत्प्रयास करे।

यहां पर गौरतलब है कि उच्चायोग के अधिकारी महोदय ने पत्नी और पड़ोसियों की रपट के खिलाफ अपने राजनयिक विशेषाधिकारों की ओट ली और ब्रिटिश दंड प्रक्रिया से बचकर स्वदेश लौट आए। हिंसा की शिकार पत्नी ने जब स्वदेश वापसी पर पति से अपनी और अपने बच्चे की जान को खतरा बताते हुए ब्रिटेन में शरण मांगी तो कहा गया कि पत्नी चूंकि सरकारी अधिकारी थीं और अवकाश पर चल रही थीं, लिहाजा सेवा नियमों के अनुसार उनके लिए भी पति की वापसी के बाद वीजा नियमों की तहत स्वदेश लौटना जरूरी था। किस्सा खतम। इसी तरह लंबे समय से गहरी हिंसा झेलती रही कन्नड़ फिल्म अभिनेता की पत्नी भी जब फिल्मोद्योग के वरिष्ठ लोगों के पास मदद मांगने गई तो उसे भी यही सलाह दी गई कि पति-पत्नी के झगड़े को आखिर इतना तूल क्यों?

उसे एक पतिव्रता पत्नी की तरह अपनी शिकायत वापस लेते हुए सुलह कर लेनी चाहिए ताकि उसके मासूम बच्चे का पिता और एक लोकप्रिय अभिनेता (जिसकी फिल्मों पर फिल्म इंडस्ट्री ने खुद भी करोड़ों रुपए लगा रखे थे) जेल से बाहर आ सके। इस सबसे वह, जिसके शरीर को बेरहम पति द्वारा सिगरेटों से जलाया गया था, मारपीट से हड्डियां तोड़ दी गई थीं और जिसके बच्चे की कनपटी पर वहशी पिता ने पिस्तौल रखकर धमकाया था, इतनी टूट गई कि उसने शिकायत वापस ले ली। यह बात और है कि जब मीडिया में इसको लेकर खूब शोर मचा और अदालत ने अभिनेता को जमानत देने से इनकार कर दिया तो इंसाफ के नाम पर इंडस्ट्री ने जिस सह-अभिनेत्री को लेकर पति-पत्नी के बीच इस कदर तकरार हुई थी, उसके कन्नड़ फिल्मों में काम करने पर लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया।

हमारी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में घरेलू हिंसा का विषय 'इंसाफ का तराजू, 'खून भरी मांग और 'भूमिका सरीखी फिल्मों में सार्थक तरह से उठाकर उससे भरपूर रुपया जरूर बटोरा जाता है। लेकिन खुद बॉलीवुड में जब घरेलू हिंसा की घटनाएं घटती हैं तो उनको हल्का घरेलू वैमनस्य या प्रेम-त्रिकोण का सामान्य मामला कहकर दबाने की कोशिश की जाती है। बाहर हुई हिंसा के दोषियों को दंडित कराना अपेक्षाकृत आसान है। लेकिन घर के भीतर परिवारजनों के हाथों लगातार की जाने वाली हिंसा की तफ्तीश और कठोरतम दंड देने को लेकर अभी भी हमारे यहां हर जाति, धर्म, आयु और आयवर्ग के बीच एक सरीखा अरुचिभरा अंधत्व व्याप्त है।

महिलाओं के लिए अच्छे और बुरे देश कौन-कौन से हैं? इस सवाल पर एक जानी-मानी अमेरिकी साप्ताहिक पत्रिका की (165 देशों के सर्वेक्षण पर आधारित) रपट के अनुसार न्याय, स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति के पैमानों पर भारतीय महिलाओं की दशा खासी बुरी (141वीं पायदान पर) थी, जबकि वर्ष 2006 में हमारी संसद ने घरों के भीतर महिलाओं पर होती व्यापक हिंसा का संज्ञान लेते हुए उनकी सुरक्षा के लिए घरेलू हिंसा निरोधक कानून (प्रोटेक्शन ऑफ वुमन फ्रॉम डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट) बनाया, जो पीड़िताओं को मजिस्ट्रेट की मदद से विशेष आदेश के तहत विशेष रूप से नियुक्त अफसरों की निगरानी में तुरंत सुरक्षा पाने हक देता है। पर विधि विशेषज्ञों के शोध के अनुसार कई को (अन्य कई अग्रगामी कानूनों की तरह) इसके प्रभावी होने के लिए जरूरी ढांचागत और आर्थिक संसाधन अभी भी उपलब्ध कराने हैं। केरल को छोड़कर अधिकतर राज्यों में इन प्रकोष्ठों का प्रभार नाम के वास्ते ऐसे अफसरों को सौंपा पाया गया, जिन पर पहले से ही कई तरह के प्रशासकीय कामों का भार है। इसलिए अचरज नहीं कि फिर भी पाया गया कि इस कानून के बनने के बाद पांच साल के भीतर देश में घरेलू हिंसा की शिकायतें दर्ज कराने में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई। हिंसा की व्यापकता इतनी है कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) की रपट के अनुसार देश की कम से कम 37 फीसदी महिलाएं घरेलू हिंसा की शिकार हैं, जिनमें से 16 फीसदी शहरी उत्पीड़िताएं दसवीं से अधिक पढ़ी थीं।

मार्कंडेय पुराण में कहा गया है - 'स्त्रियः समस्ताः सकला जगत्सु तव देवि भेदाः। इसका आशय है - हे देवि, संपूर्ण सृष्टि की महिलाएं वस्तुतः तुम्हारे ही विभिन्न स्वरूप हैं।

क्या सीमापार की चुनौतियों, किसानी प्रदर्शनों और एसेंबली चुनावों में शक्ति-प्रदर्शन में मशगूल संसद को याद दिलाना होगा कि साल में दो बार धूप-दीप जलाकर भरे कलश के आगे नतमस्तक होकर वे जिस शक्ति का 'इह आगच्छ, इह तिष्ठ, इह वरदा बभूव कहकर आवाहन करते हैं, हिंसा की शिकार वे अनगिनत औरतें भी उसी का अंश हैं?

टैगोर पर सियासत

हमारे देश में हर छोटे-बड़े मुद्दे पर सियासत होने लगती है। राजनीतिक दलों में होड़ लग जाती है। पिछले तीन वर्षों में शायद ही कोई विरोधी दल हो जिसने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के विरोध का कोई भी अवसर गंवाया हो। उसमें भी यदि कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर से जुड़ा कोई मुद्दा हो तब तो सियासी पार्टियां और हल्ला मचाने लगती हैं। पिछले कुछ दिनों से टैगोर को लेकर सियासत हो रही है।

संघ से जुड़े संगठन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने एनसीईआरटी को कुछ सुझाव भेजे हैं। इस बात का पता माकपा के राज्यसभा सांसद ऋतब्रत बनर्जी को चला तो उन्होंने मुद्दा उठाया कि संघ की ओर से एनसीआइआरटी की किताबों से अंग्रेजी, उर्दू, फारसी के शब्द और कविगुरु टैगोर के वैचारिक लेख हटाने का सुझाव दिया गया है। इसके बाद इस पर सियासत गरमा गई। मंगलवार को ही तृणमूल के सांसद डेरेक ओ ब्रायन के सवाल का जवाब देते हुए राज्यसभा में केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि स्कूलों की पाठ्य पुस्तकों से रवींद्रनाथ टैगोर को हटाने की कोई योजना नही है। संघ की ओर से भी साफ कर दिया गया कि टैगोर की कविता और लेख को हटाने का कोई सुझाव नहीं दिया गया। यह पूरी तरह से झूठ व सुनियोजित तरीके से भ्रम फैलाया गया है।

संघ के दक्षिण बंगाल के अध्यक्ष जिष्णु बसु का कहना है कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एक स्वतंत्र संगठन है। न्यास की ओर से जो सुझाव दिए गए हैं वह डूबहदी किताब, इतिहास और राजनीतिक शास्त्र को लेकर है। बसु ने और भी कई तर्क दिए हैं। यहां तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस मुद्दे पर दिल्ली में मंगलवार को कहा कि कोई भी स्कूल पाठ्य पुस्तकों में से भला टैगोर को हटाने के बारे मे कैसे सोच सकता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक बकवास है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर टैगोर के नाम हटाने का मुद्दा कैसे सामने आया? माकपा को कब से टैगोर की चिंता होने लगी?

इसी बंगाल की किताबों में रामधोनु को बदल कर रोंगधोनु किया गया। परंतु, इस मुद्दे पर सबने चुप्पी साध ली थी। कविगुरु टैगोर को भारत के पाठ्य पुस्तकों से हटाने के बारे में आखिर कौन सोच सकता है? कविगुरु भारत के ऐसे महान हस्तियों में से जिन्होंने अपनी रचना के लिए नोबेल पदक पाया था। जब केंद्रीय मंत्री से लेकर संघ तक साफ कर दिया है कि ऐसी कोई बात नहीं है तो फिर इस मुद्दे पर सियासी रोटियां क्यों सेंकने की कोशिश हो रही है?

घाटकोपर बिल्डिंग हादसा

15 घंटे बाद बुजुर्ग को जिंदा निकाला, फोन पर बताया-जिंदा हूं मैं

मुंबई। घाटकोपर में मंगलवार को गिरी चार मंजिला बिल्डिंग के मलबे से 15 घंटे बाद 57 साल के एक बुजुर्ग को जिंदा बाहर निकाला गया। चौंकाने वाली बात ये है कि मलबे में फंसे होने के बावजूद उन्होंने फोन लगाकर बेटे को अपने जिंदा होने के बारे में बताया। तीन बार पत्नी से भी बात की। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद मोबाइल करीब साढ़े पांच घंटे तक नहीं लगा, ऐसे में वो जीने की उम्मीद छोड़ चुके थे। मलबे में दबकर उनका एक पैर फ्रैक्चर हो गया है। उनका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। बता दें कि इस हादसे में 17 लोगों की मौत हुई, जबकि 11 लोगों को जिंदा निकाला गया। मुंबई के घाटकोपर में जमींदोज हुई 4 मंजिला इमारत के मलबे में राजेश दोषी (57) नाम के बुजुर्ग भी दब गए थे। हादसे के वक्त वे अपने फ्लैट में अकेले थे और बेड पर लेटे हुए थे। उनकी वाइफ रीता और 26 साल का बेटा दर्शन मंदिर गए हुए थे।

बिल्डिंग के मलबे में फंसे राजेश के पास उनका मोबाइल फोन था, लेकिन मंगलवार सुबह 10:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक उनका फोन नॉट रीचेबल हो गया था। बेटा दर्शन लगातार उन्हें कॉल करता रहा, लेकिन बात नहीं हो सकी। इसके बाद शाम 5:10 बजे राजेश ने बेटे को कॉल किया। जैसे ही बेटे दर्शन के फोन पर बेल गई, राजेश की उम्मीद जाग उठी। उन्होंने अपने जिंदा होने और मलबे में दबे होने की बात बताई।

'अभी मैं सांस ले पा रहा हूं, मुझे बचा लो'

राजेश ने बेटे से फोन पर कहा, 'एक दीवार मेरे पैरों पर गिर गई है, जिसमें मैं फंस गया हूं। मैं सांस तो ले पा रहा हूं, लेकिन निकल नहीं पा रहा। लोगों से कहो कि मुझे बाहर निकालें, मेरी मदद करें।'

ऐसे हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन

राजेश ने अपने बेटे को फोन पर बताया कि वह कहां और किस हाल में फंसे हुए हैं। यही नहीं उन्होंने मलबे में फंसे होने के बावजूद तीन बार अपनी पत्नी से बात की और अपना हाल बताया। दर्शन के कहने पर एनडीआरएफ की टीम ने उन्हें रेस्क्यू करने का काम शुरू किया और करीब 2 घंटे के बाद उन्हें करीब 7:30 बजे शाम को बाहर निकला गया। जब रेस्क्यू टीम ने उन्हें बाहर निकाला तब भी वे बेड पर लेटे हुए मिले। यहां से निकाल कर उन्हें पास के शांति निकेतन अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया।

एक करोड़ में बेचने वाले थे फ्लैट

हॉस्पिटल में एडमिट राजेश दोषी ने जिंदा होने पर भगवान को शुक्रिया कहते हुए बताया कि, मैं बेड पर लेटा हुआ था तभी बिल्डिंग पत्तों के महल की तरह गिर पड़ी। राजेश ने बताया कि, 3BHK का फ्लैट उन्होंने 65 लाख रुपए में खरीदा था और जल्द ही इसे 1 करोड़ में बेचने की डील फाइनल हो गई थी। जिंदा बचने की खुशी के साथ-साथ राजेश को अब अपने फ्यूचर की चिंता सताने लगी है। उन्होंने बताया कि, अब उनके पास एक चम्मच भी नहीं बचा है।

विदर्भ में एक साल के भीतर हुई 20 हजार पेड़ों की अवैध कटाई

मुंबई। विदर्भ स्थित पांच वनक्षेत्रों में अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक सागवान के 20365 पेड़ों की कटाई की गई। पेड़ों की अवैध कटाई के मामले में इस दौरान 9645 मामले दर्ज किए गए। विधानसभा में पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में वनमंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने यह जानकारी दी। शिवसेना के डॉ. संजय रायमुलकर के सवाल के जवाब में मंत्री मुनगंटीवार ने बताया कि मामले में पांच वनरक्षकों समेत नौ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जिसमें अधिकारी भी शामिल हैं। नागपुर महानगर पालिका क्षेत्र में प्रसव के दौरान अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक 175 माताओं की मौत हुई है। इनमें से सरकारी अस्पतालों में 163 और निजी अस्पतालों में 12 महिलाओं की जान गई। विधानसभा में पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दीपक सावंत ने यह जानकारी दी। कांग्रेस के सुनील केदार, विजय वडेट्टीवार, असलम शेख आदि सदस्यों ने नागपुर और विदर्भ में प्रसव के दौरान महिलाओं की मौत का मामला उठाया था। जवाब में मंत्री सावंत ने बताया कि इस साल जनवरी से मई महीने तक नागपुर परिमंडल क्षेत्र में प्रसव के दौरान कुल 49 महिलाओं को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

लड़कियों की जन्मदर में 8% की कमी

साल 2015 के मुकाबले साल 2016 में लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की जन्मदर में आठ फीसदी की कमी आई है। साल 2015 में एक हजार लड़कों पर 907 लड़कियों का जन्म हुआ था लेकिन अगले साल यह आंकड़ा घटकर 899 हो गया है। विधानसभा में पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दीपक सावंत ने यह जानकारी दी। कांग्रेस के राधाकृष्ण विखेपाटील, विजय वडेट्टीवार, अमीन पटेल आदि सदस्यों ने लड़कियों की जन्मदर में आ रही कमी से जुड़ा सवाल पूछा था जवाब में मंत्री सावंत ने बताया कि सरकार ने स्थिति में सुधार के लिए सोनोग्राफी केंद्रों पर नजर रखने, शिकायत के लिए टोलफ्री हेल्पलाइन नंबर जारी करने जैसे कई कदम उठाए हैं।

राज्यभर में 3795 अवैध नर्सिंग होम

राज्य में 3795 नर्सिंग होम अवैध रूप से चल रहे हैं। विशेष दस्ते की जांच में यह बात सामने आई। सभी अवैध नर्सिंग होम को नोटिस देने के अलावा 15 फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। विधानसभा में पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में स्वास्थ्य मंत्री दीपक सावंत ने यह जानकारी दी। डॉक्टर सावंत ने बताया कि इस साल 15 मार्च से 28 अप्रैल तक अवैध नर्सिंग होम के खिलाफ मुहिम चलाकर कार्रवाई की गई।

लालबागचा राजा के मूर्तिकार विजय खातू का निधन

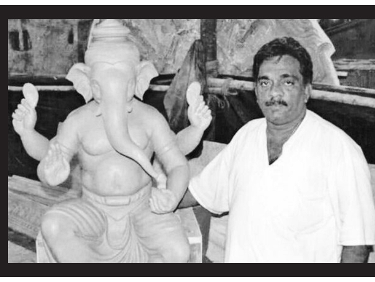

मुंबई। बीते पांच दशकों से गणेश की मूर्तियां गढ़ रहे मशहूर मूर्तिकार विजय खातू (63) का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। विजय लालबागचा राजा के नाम से मशहूर गणेशजी की मूर्ति सजाने की वजह से काफी लोकप्रिय थे। उनकी वर्कशॉप परेल में है।

हाईकोर्ट का फैसला, सरकारी विभागों में प्रमोशन में आरक्षण असंवैधानिक

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में सरकार के विभिन्न विभागों व सार्वजनिक निकायों बीएमसी व बेस्ट जैसे संस्थानों के भीतर पदोन्नति में 33 प्रतिशत आरक्षण को अवैध व असंवैधानिक ठहराया है। सरकार ने 2004 में पदोन्नति में आरक्षित वर्ग को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया था। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। शुरुआत में यह मामला न्यायमूर्ति अनूप मोहता व न्यायमूर्ति एए सैयद की खंडपीठ के सामने सुनवाई के लिए आया था। सुनवाई के बाद आए फैसले में न्यायाधीश मोहता ने पदोन्नति में आरक्षण को सही ठहराया था, जबकि न्यायमूर्ति सैयद ने आरक्षण को अवैध व असंवैधानिक बताते हुए उसे रद्द कर दिया था। दो न्यायाधीशों के एकमत ने होने से मामला सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति एमएस सोनक के पास भेजा गया था। न्यायमूर्ति सोनक ने मामले की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए पदोन्नति में आरक्षण के फैसले को गलत बताया है। सरकार की ओर से 2004 में जारी किए गए परिपत्र के तहत पदोन्नति में 13 प्रतिशत अनुसूचित जाति, 7 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति, 13% एनटी, वीजेडीटी व एसबीसी के लिए आरक्षण रखा गया था। इस तरह से सरकार ने पदोन्नति में 33 प्रतिशत आरक्षण तय किया था। इससे पहले महाराष्ट्र प्रशासनिक पंचाट न्यायाधिकरण (मैट) ने भी पदोन्नति में आरक्षण को गलत बताया था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

आयशा टाकिया के पति को...

फरहान ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बता दें कि फरहान ने फिल्म एक्ट्रेस आयशा टाकिया से साल 2009 में शादी की थी। मुंबई पुलिस कमिश्नर को दी अपनी शिकायत में फरहान ने बताया है कि, फोन करने वाले ने कहा कि वह हिंदू सेना से संबंध रखता है। उनकी फैमिली सेना आगे फरहान ने अपनी शिकायत में कहा है कि, फोन करने वाले ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि, तुमने एक हिंदू लड़की से शादी की है इसलिए तुम्हें अंजाम भुगतना पड़ेगा। फरहान ने आगे अपनी जान को खतरा बताते हुए इस पूरे मामले की जांच करवाने की बात कही है। उन्होंने पुलिस को फोन का कॉल रिकॉर्ड सौंपा है। मुंबई पुलिस ने भी इस मामले को गंभीर मानते हुए फोन रिकॉर्ड के सहारे जांच शुरू कर दी है।

नीतीश की अग्निपरीक्षा

नीतीश की पार्टी जेडीयू के पास 71 विधायक हैं। बहुमत का आंकड़ा 122 है। ऐसे में जेडीयू को 51 विधायकों की जरूरत है। एनडीए का साथ मिलने पर जेडीयू को 58 और विधायकों का समर्थन मिला है। अब उनके पास 129 विधायक हो गए हैं। ये बहुमत से 7 ज्यादा हैं। सुशील मोदी 132 विधायकों के समर्थन की बात कह रहे हैं। ये सपोर्ट कायम रहा तो नीतीश को मेजॉरिटी हासिल करने में दिक्कत नहीं आएगी।

आरजेडी में भी फूट

इस वजह से गठबंधन टूट गया और नीतीश कुमार हमसे अलग हो गए। महेश्वर यादव ने आगे कहा, जिस दिन सीबीआई का छापा पड़ा था अगर उस दिन तेजस्वी इस्तीफा दे दिए होते तो आज वह बहुत बड़े आदमी होते और गठबंधन भी नहीं टूटता। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार ने कोई धोखा नहीं दिया था। वह सोनिया-राहुल से मिले और लालू को इशारा करते रहे, लेकिन उन्होंने किसी की एक नहीं सुनी। महेश्वर यादव ने यह भी कहा, आरजेडी के ज्यादातर विधायक मानते हैं कि लालू के पुत्रमोह में सरकार चली गई लेकिन कोई बोल नहीं पाता। उन्होंने कहा कि आरजेडी के कई विधायक जेडीयू का दामन थाम सकते हैं।

फ्लाइट में अब मिलेंगे हिंदी...

डीजीसीए ने यह सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइन्स को नोटिस जारी किया है कि यात्रियों को अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में पढ़ने के लिए अखबार और मैग्जीन उपलब्ध हो सके। डीजीसीए के संयुक्त निदेशक ललित गुप्ता ने एयरलाइंस को लिखे गए एक पत्र में कहा है कि विमान में हिंदी की सामग्री नहीं रखना भारत सरकार की आधिकारिक भाषा की नीति के खिलाफ है। हालांकि, इस फैसले का कांग्रेस पार्टी ने मजाक उड़ाया है। कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने ट्विटर पर लिखा- डीजीसीए अब चाहता है कि भारतीय उड़ानों में (शाकाहारी भोजन के साथ) हिंदी प्रकाशनों को भी पेश किया जाए। गौरतलब है कि इस महीने की शुरूआत में एयर इंडिया ने इकोनॉमी क्लास के घरेलू विमान यात्रियों को नॉन-वेज नहीं देने का फैसला किया था। इसे लेकर विवाद पैदा हो गया था। विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया था कि यह मामला धार्मिक विचारधारा से जुड़ा हुआ है, जिसे भारतीय सरकार बढ़ावा दे रही है। हालांकि, एयर इंडिया ने जोर देकर कहा था कि उसने यह कदम अपनी लागत को कम करने के लिए उठाया है।

सपा के लिए पुलिस राजनीतिक हथियार थी:योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती अखिलेश यादव सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा सरकार ने पुलिस को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का पाप किया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सपा सरकार ने पुलिस को अपंग बना दिया था। सपा ने पुलिस और प्रशासन की कार्यपद्धति को अवरूद्ध करने का प्रयास किया था। वे नहीं चाहते थे कि अच्छी पोलिसिंग हो, कम्युनिटी पोलिसिंग हो। पूर्व की सरकार नहीं चाहती थी कि पुलिस का व्यवहार दोस्ताना हो। योगी ने आरोप लगाया कि चाहे सपा की सरकार रही हो या बसपा की, पहले प्रदेश में एफआईआर ही दर्ज नहीं होती थी। अपराध के आंकडों को छिपाकर पूर्व की सरकारें वाहवाही लूटती थीं। उन्होंने कहा कि ये (भाजपा) सरकार आई तभी हमने कहा कि हर एक फरियादी के साथ थाने में सही व्यवहार होना चाहिए। शत प्रतिशत एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। योगी

ने कहा कि पूर्व में हत्या और गैंगरेप जैसे गंभीर अपराधों पर भी मंत्रियों के गैर जिम्मेदाराना और शर्मनाक बयान आया करते थे। दंगों के घोषित अपराधियों को सपा का संरक्षण मिलता था। घोषित दंगाइयों को सरकारी विमान से लखनऊ लाकर मुख्यमंत्री आवास में रखा जाता था और उनका महिमामंडन होता था। उन्होंने आरोप लगाया कि मुजफ्फरनगर दंगों में पूर्व सरकार के मंत्रियों की संलिप्तता थी। योगी ने कहा कि सरकार ने चुनाव के पहले ही कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास की बात कही है तो ये नारा तब सार्थक होता दिखेगा, जब सरकार बिना भेदभाव के हर व्यक्ति को न्याय प्रदान करने को कृतसंकल्पित हो। हमने इस दिशा में प्रयास किए हैं। प्रदेश पुलिस की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आपराधिक घटनाओं को पूरी तरह वर्कआउट करने का प्रयास किया गया है। पुलिस ने अच्छा कार्य किया है । उसके अच्छे परिणाम सामने आए। डकैती, लूट, हत्या जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त लोगों पर कार्रवाई की गई। योगी ने कहा कि आंकडों के माध्यम से हम पुलिस के कार्य का मूल्यांकन नहीं कर सकते लेकिन आंकडे दबाकर हम आम जनता की शिकायत को ही थाने में दर्ज ना करें, इस तरह का पाप पूर्व सरकारों में होता रहा है। इस कारण जंगलराज स्थापित हो गया था। लेकिन सत्ता संभालते ही हमारी सरकार ने संकल्प लिया कि हर फरियादी की एफआईआर दर्ज होगी। हम बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई कर रहे हैं।

माफी न मांगने पर कांग्रेस सदस्यों पर भड़की सुमित्रा महाजन

लोकसभा में स्पीकर की ओर कागज फेंकने की घटना के बाद कांग्रेस सदस्यों द्वारा माफी नहीं मांगे जाने और शोर शराबा जारी रखने पर अध्यक्ष सुमित्रा महाजन आज काफी आहत नजर आई। वहीं संसदीय कार्य मंत्री ने पिछले कुछ दिन से सदन में हंगामा कर रहे कांग्रेस सदस्यों से सख्त लहजे में कहा कि उनका इस प्रकार का व्यवहार बर्दाशत नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस सदस्यों ने स्पीकर पर उछाले थे पर्चे – गौ रक्षकों के हमलों तथा अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा कर रहे कांग्रेस सदस्यों ने 24

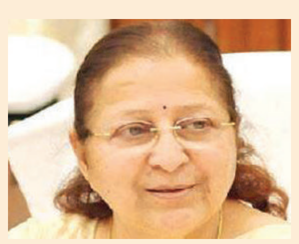

जुलाई को पर्चे फाड़कर स्पीकर की ओर उछाले थे जिसके बाद अध्यक्ष ने 6 सदस्यों को सदन की लगातार 5 बैठकों से निलंबित कर दिया था। अध्यक्ष ने इन्हीं मुद्दों को लेकर पिछले कई दिनों से लगातार स्पीकर के समक्ष आकर हंगामा कर रहे कांग्रेस सदस्यों से कहा कि आप माफी भी नहीं मांगेंगे और हंगामा भी करेंगे। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि वह पार्टी के सदस्यों का निलंबन वापस लिए जाने का मामला नहीं उठा रहे हैं। उस मामले को तो हमने छोड़ दिया है।

माफी मांगे विपक्ष, सरकार चर्चा के लिए तैयार : अनंत – इसी पर अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि अपने किये की माफी भी नहीं मांग रहे हैं और इस प्रकार से व्यवहार कर रहे हैं। मैं चर्चा के लिए मना नहीं कर रही हूं लेकिन ये जो कुछ हो रहा है, ये तो पूरे देश को देखना चाहिए। सबको देखने दो। संसदीय मामलों के मंत्री अनंत कुमार ने भी कहा कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। लेकिन जिस प्रकार से कागज की गेंद बनाकर स्पीकर की ओर उछाली गई वह असंसदीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदस्यों को अध्यक्ष के सामने खडे. होकर कहना चाहिए कि हम क्षमाप्रार्थी हैं। केवल निलंबन को वापस लेने की मांग करने से कुछ नहीं होता है। अनंत कुमार ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। इसी बीच कांग्रेस सदस्यों का हंगामा बढ़ने लगा तो उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि ऐसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेरे खिलाफ हुई बदले की कार्रवाई –तेजस्वी

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने खिलाफ बदले की कार्रवाई किये जाने का आरोप लगाते हुए भाजपा और अपने पूर्व सहयोगी जदयू की कड़ी आलोचना की। राजग खेमे में जदयू की वापसी के बाद तेजस्वी ने ट्वीट किया कि मेरे प्रदर्शन ने हमारे सहयोगी एवं भाजपा को विचलित किया। मेरे खिलाफ बदले की कार्रवाई ने उनकी दुष्ट प्रवृत्ति का खुलासा किया। नीतीश कुमार ने आज छठी बार राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की। एक दिन पहले ही उन्होंने लालू प्रसाद की राजद का दामन छोड़ कर मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। कुमार ने राज्य के मुख्यमंत्री का पद

फिर से हासिल करने के लिए आज भाजपा के साथ हाथ मिला लिया। तेजस्वी ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि मैं बिहार के लोगों के लिए विकास की नई सकारात्मक इबारत लिखने के मकसद से सरकार में शामिल हुआ था लेकिन मुझे एक अवसरवादी प्रतिद्वंद्वी मिला।

बीती रात जदयू और भाजपा के राज्यपाल केसरी नाथ त्रिपाठी से मिलकर गठबंधन सरकार के गठन का दावा करने के बाद तेजस्वी ने कहा था कि नई सरकार का शपथ ग्रहण पूर्व नियोजित साजिश के तहत हुआ। उन्होंने आज एक अन्य ट्वीट में कहा कि जब बतौर उपमुख्यमंत्री मुझे जनता से मिले जनादेश की आकांक्षाओं को पूरा करने का भार सौंपा गया तब भी मेरा पिछला अनुभव ,हालांकि वह अन्यायपूर्ण था मुझे विचलित नहीं कर पाया।

मालदीव के राष्ट्रपति की चीन-पाकिस्तान बढ़ीं नजदीकियां

मालदीव के राष्ट्रपति यामीन अब्दुल गयूम द्वारा फौज का सहारा लेकर सत्ता से चिपके रहने पर भारत दुविधा में है। तीन दिनों से मालदीव के चिंताजनक राजनीतिक घटनाक्रम पर भारत मौन है जबकि दुनिया की सभी बड़ी जनतांत्रिक ताकतों ने जनतंत्र का गला घोंटने की निंदा की है। हालांकि यहां विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि मालदीव के घटनाक्रम पर भारत नजर रखे हुए है।

मालदीव के राष्ट्रपति ने मजलिस के गेट पर लगवाया ताला – मालदीव की संसद (मजलिस) में विपक्षी दल द्वारा स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को पारित होने से रोकने के लिए मालदीव के राष्ट्रपति ने मजलिस के गेट पर ही ताला लगवा दिया और वहां फौज तैनात कर दी। पिछले चुनावों में घोटाला कर राष्ट्रपति बनने वाले यामीन अब्दुल गयूम ने सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए सासंदों को बलपूर्वक मजलिस में प्रवेश करने से रोका है। लेकिन जनतंत्र का ध्वज वाहक भारत दुविधा में है कि राष्ट्रपति यामीन के साथ कैसा बर्ताव किया जाए।

राष्ट्रपति यामीन की चीन से मिलीभगत – भारत की चिंता है कि राष्ट्रपति यामीन चीन की गोद में बैठ चुके हैं और अब पाकिस्तान के साथ भी उनकी सांठगांठ उजागर होने लगी है। पांच साल पहले सत्ता हथियाने के बाद राष्ट्रपति यामीन ने चुनाव भी करवाए और हेरफेर कर सत्ता में बने रहे। इस दौरान यामीन की न केवल चीन के साथ नजदीकियां बढ़ीं बल्कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ भी राष्ट्रपति यामीन की यारी बढ़ी। सत्ता बचाए रखने के लिए यामीन को न केवल चीन से बल्कि कट्टरपंथी इस्लामी ताकतों से भी मदद मिल रही है। पिछले सालों में राष्ट्रपति यामीन ने न केवल चीन को अपने कुछ द्वीप पट्टे पर सौंप दिए हैं बल्कि सऊदी अरब ने भी अपने राजकुमारों की अय्याशी और पर्यटन के लिए कुछ द्वीप हासिल कर लिए हैं।

भारत के जले पर नमक छिड़क रहे यामीन – भारत के जले पर नमक छिड़कने का काम मालदीव ने एक दिन पहले किया जब मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को राजधानी माले आमंत्रित किया। रोचक बात यह है कि

नवाज शरीफ खुद अपनी कुर्सी बचाने की जुगत में हैं।

भारत को सता रहा ये डर – केरल के समुद्र तट से महज तीन सौ किलोमीटर दूर मालदीव के द्वीपों पर इस तरह चीन और सऊदी अरब का कब्जा होना भारत के लिए गहरी सामरिक चिंता का मसला है। मालदीव हिंद मासागार में समुद्री व्यापारिक मार्ग के नजदीक है जहां के द्वीपों पर चीन का बैठना भारत के माथे पर शिकन पैदा कर रहा है लेकिन भारत दुविधा में इसलिए है कि कहीं राष्ट्रपति यामीन चीन के दबाव में अपने कुछ द्वीपों को चीन को सैनिक अड़्डा बनाने के लिए नहीं सौंप दे। फिलहाल जो द्वीप चीन को सौंपे गए हैं वहां से चीन भारत विरोधी इलेक्ट्रानिक जासूसी गतिविधियों में संलग्न हो सकता है और वहां से भारत की नौसैनिक गतिविधियों पर नजर रख सकता है। युद्धकाल में चीन वहां अपने युद्धपोत भी यह कह कर तैनात कर सकता है कि मालदीव के निमंत्रण पर चीन के पोत वहां गए हैं। ठीक उसी तरह जैसे भूटान के भू–भाग की रक्षा के लिए भारत की सेना डोकलाम इलाके में है। राष्ट्रपति यामीन को डर है कि यदि मजलिस में स्पीकर अब्दुल्ला मसीह मुहम्मद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया तो अगला निशाना वही होंगे। विपक्षी दल मालदीव डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता और पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मद नशीद की सत्ता में वापसी हो सकती है। मुहम्मद नशीद ने भारत का समर्थन हासिल करने के लिए हाल में चीन विरोधी और भारत समर्थक बयान दिए हैं लेकिन यह वही नेता हैं जिन्होंने 2012 में राजधानी माले में चीन के दूतावास का उद्घाटन उसी दिन किया जब तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह माले पहुंचने वाले थे।

सेना की सुरक्षा को लेकर रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला

सरकार ने पठानकोट वायु सैनिक अड्डे पर आतंकवादी हमले जैसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से तीनों सेनाओं को सभी सैन्य ठिकानों की सुरक्षा चाक चौबंद करने के लिए एक बड़ा फैसला किया है। रक्षा मंत्री अरुण जेतली ने सैन्य ठिकानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए तीनों सेनाओं को अपने ठिकानों की चारदिवारी और आस पास सुरक्षा व्यवस्था पर बिना औपचारिक मंजूरी के पर्याप्त पैसा खर्च करने का वित्तीय अधिकार दिया है।

सेना की सुरक्षा पर रक्षा मंत्रालय सख्त – रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय सैन्य ठिकानों और रक्षा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक उपकरण और प्रणालियों की खरीद की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए उठाया गया है। इस निर्णय के तहत तीनों सेनाओं के उप प्रमुखों को रक्षा मंत्रालय से मंजूरी लिए बिना सुरक्षा उपकरणों और प्रणालियों की खरीद तथा निर्माण कार्य कराने का अधिकार दिया गया है। इस कदम से तीनों सेनाओं के सुरक्षा संबंधी खर्च के अधिकार में अत्यधिक बढ़ोतरी हो जाएगी। रक्षा मंत्री ने साथ ही सेनाओं को सुरक्षा संबंधी कार्यों को निश्चित समय में पूरा करने के भी सख्त आदेश दिए हैं।

पांच हजार करोड़ रुपए से अधिक की खरीद पर लेनी पड़ती थी मंजूरी – उल्लेखनीय है कि सीमा पार से आए आतंकवादियों ने पिछले वर्ष पठानकोट वायु सैनिक अड्डे पर बड़ा आतंकवादी हमला किया था जिसमें सात जवान शहीद हो गए थे। पिछले काफी समय से यह महसूस किया जा रहा था कि सेना के जरूरत के अनुरूप हथियारों और गोलाबारूद का भंडार नहीं है और इस संबंध में लगातार मांग उठ रही थी। सेना को इसके लिए मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति तथा रक्षा मंत्रालय की रक्षा खरीद परिषद से मंजूरी लेने की भी जरूरत नहीं होगी। अभी तक पांच हजार करोड़ रुपए से अधिक की खरीद के लिए सुरक्षा मामलों की समिति से मंजूरी लेनी जरूरी थी।

आईटीआर भरते समय इन 6 गलतियों से बचें!

आयकर रिटर्न दाखिल करते वक्त क्या आप चिंतित रहते हैं? ये हैं वे 6 गलतियां जो लोग अक्सर आईटीआर भरते वक्त करते हैं और जानिए कि इनसे कैसे बचा जा सकता है।

1. गलत आईटीआर फॉर्म भरना आईटीआर दाखिल करने की प्रक्रिया में लोग अक्सर गलत फॉर्म भरने की गलती कर बढै ते हौं यदि सिर्फ तनख्वाह ही आपकी आमदनी का एकमात्र जरिया है तो आपके लिए आयकर फॉर्म है–आईटीआर1 (सहज)। यदि आप सोल प्रॉपराइटर हैं तो आपको आईटीआर3 अथवा आईटीआर4 भरना चाहिए।

2. फॉर्म 26 अर का सत्यापन न करना आपके एम्पलॉयर, बैंक आदि जो ज्वै काटते हैं उन्हें अपना पॅन विवरण दें। अगर आपके एम्पलॉयर (फॉर्म 16) या किसी अन्य टैक्स काटने वाले (फॉर्म 16A) का TAN या PAN विवरण गलत होगा तो आप आईटीआर दाखिल करते वक्त TDS की रकम के लिए दावा नहीं कर पाएंगे। इसलिए फॉर्म 26A का सत्यापन करना कभी न भलें।

3. गलत विवरण भरना रिटर्न फाइल करते हुए नाम, पता और आधार कार्ड नंबर जैसे अहम ब्यौरे सटीक होने चाहिए। लोग असावधानीवश गलत विवरण दर्ज कर देते हैं। इसलिए नाम, पता, टैक्स की रकम, बैंक खाता संख्या और अन्य जरूरी ब्यौरे सावधानी से दर्ज करें तथा दोबारा जांच लें। वरना एक मामूली सी गलती के चलते आप टवै स क्रैडिट/आयकर रिफडं लेने से चकू जाएगें। रिटर्न फाइल करने के बाद कोई त्रुटि पता लगती है तो आयकर विभाग आपको रिवाइज्ड रिटर्न भरने का मौका भी देता है।

4. कटौती प्रावधानों का दावा न करना आयकर में कटौती के प्रावधान आपके टैक्स को कम कर देते हैं इसलिए इनका लाभ अवश्य उठाएं। सेक्शन 80 के तहत कई कटौतियो ं के प्रावधान हैं जसै कि दिव्यांग लोगों पर व्यय आरै पीपीएफ व धर्मार्थ ट्रस्ट में योगदान पर आयकर कटौती। इसलिए सभी मान्य कटौतियां रिटर्न में अवश्य दर्ज करें। अगर रिटर्न फाइल करते वक्त आपने इनके लिए दावा नहीं किया तो बाद में आयकर विभाग इन्हें नहीं स्वीकारेगा।

5. सभी आमदनियों का खुलासा न करना अपने सभी आय स्रोतों का खुलासा करें, भले ही वे आयकर से मुक्त हों। आपने लॉटरी जीती हो या जमीन/मकान बेचा हो, आपको उसका खुलासा करना ही होगा। अक्सर लोग फिक्स्ड व रिकरिंग डिपॉजिट को आयकर से मुक्त मान लेते हैं लेकिन आप यह गलती न करें क्योंकि इन पर टैक्स बनता है। यह भी ध्यान रखें कि 10,000 तक का बचत खाते से मिलने वाला ब्याज या शेयर्स से मिलने वाले डिविडेंड आदि भले ही यह आयकर से मुक्त हैं लेकिन इन्हें रिटर्न में दिखाना आवश्यक है।

6. आईटीआर–वी का समय पर सत्यापन न करना आईटीआर की ई–फाइलिंग करते वक्त रिटर्न पर डिजिटल सिग्नेचर करने को कहा जाता है। यदि आपके पास डिजिटल सिग्नेचर नहीं है तो आप आईटीआर–वी पर हस्ताक्षर कर के उसे सेंट्रलाइज्ड प्रॉसेसिंग सेंटर (सीपीसी), बैंगलुरु भेज दें। रिटर्न दाखिल करने के 120 दिनों के भीतर केवल साधारण डाक या स्पीड पोस्ट से आईटीआर–वी को बैंगलुरु भेज दिया जाना चाहिए। इसी

समयावधि में आप अपनी रिटर्न का ई–सत्यापन भी कर सकते हैं। अगर आपने ऐसा नहीं किया तो माना जाएगा कि आपने आईटीआर फाइल ही नहीं की। इसलिए अपनी आईटीआर–वी को सत्यापित करना हरगिज न भूलें।

हैप्पी टैक्स फाइलिंग!

कैसा बना लाफिंग कलर्स एशिया का सबसे बड़ा एंटरटेनमेन्ट फेसबुक पेज

अब दिन–ब–दिन सोशल मीडिया का उपयोग बढ़ रहा है, फेसबुक पेजों को फैलाने में बड़ी भूमिका निभाता है और दैनिक जीवन में हास्य। नकारात्मक ट्वीट्स और समाचार पोस्टों के बमबारी के बीच, लाफिंग कलर्स ने लोगों के बीच
खुशी जोड़ने में कामयाबी हासिल कर ली है। पिछले ४ सालों में २८ मिलियन से अधिक अनुयायी वाले फेसबुक फैमिली के साथ, वे अब भी बहुत अधिक गति से लगातार बढ़ रहे हैं।

यह अब भारत की सबसे बड़ी सोशल मीडिया एंटरप्राइज है, जिसमें मासिक फेसबुक पोस्ट की पहुंच २४० मिलियन और ६० मिलियन साप्ताहिक पोस्ट है, जिसमें हर महीने ६ लाख अद्वितीय ग्राहक होते हैं।टेलेंट और सेलेब्रेटी प्रबंधन फर्म, जो अपनी नींव १४ साल पहले रखी थी,लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए एक सपना देखा। लगभग सभी भारतीय
हास्य अभिनेता उनके द्वारा प्रबंधित होते हैं, और अब सबसे बड़े प्रशंसक के साथ फेसबुक पेज के साथ अपने नीरस जीवन में एक कुरकुरे स्वाद जोड़ रहा है।

संस्थापक राजेश शर्मा के जीवन में सिर्फ एक ही मिशन था : विचित्रता के माध्यम से लोगों के साथ जुड़ना और हमें यह कहना चाहिए कि वह वास्तव में इसमें सफल रहा है। राजेश शर्मा के साथ बात करते हुए, उन्होंने बताया कि हमारे पृष्ठ के इनबॉक्स पर हमें मिलने वाले संदेशों के माध्यम से जाने पर, हम विभिन्न लोगों के विभिन्न संदेशों में आये, जिन्होंने हमारे सकारात्मक सामग्री के माध्यम से अवसाद से लड़ने में मदद करने के लिए हमें धन्यवाद दिया। हमारे पेजेस जीवन की जटिलताओं से अपना ध्यान हटाने के लिए एक अच्छा माध्यम था। इसके साथ, हमें जीवन जीने के लिए हमारा मिशन मिला –लोगों के दु:खों को कम करने और उन्हें खुश करने के लिए।वे इंस्टाग्राम पर

१.२ लाख अनुयायी के साथ तेजी से बढ़ रहे हैं और ४०,००० प्लस उनके यूट्यूब चैनल पर सदस्यता लेते हैं।यह सिर्फ एक मनोरंजन पोर्टल नहीं है, लेकिन अब एक उभरते हुए ब्रांड हैं.टीम अब नए उद्यमों में विस्तार करने के लिए तलाश कर रही है। कंपनी
वर्तमान में साधारण जीवन शैली के दैनिक स्लाइस से प्रेरित छोटे वीडियो पर काम कर रही है, जिसे हम अक्सर अनदेखा करते हैं। हम कुछ वेब श्रृंखला भी उम्मीद कर सकते हैं। लाफिंग कलर्स एक भारतीय कंपनी होने के कारण फेसबुक पेज पर लाफिंग कलर्स हिंदी' के माध्यम से अपने हिंदी दर्शकों पर ध्यान केंद्रित करता है।

कंपनी फिलहाल स्टीरियोटाइप को तोड़ने का काम कर रही है कि स्वस्थ भोजन स्वादिष्ट नहीं हो सकता। इसके 'फूड एंड फिटनेस' खंड के साथ, यह स्वास्थ्य लाभ के साथ उंगली के साथ भोजन करने के लिए आसान तरीके लाएगा।सबसे ज्यादा ध्यान खींचते हुए उनका नया उपक्रम 'एलसीएम रिकॉर्ड्स' है जो संगीत के क्षेत्र में उभरते कलाकारों को साइन अप करने के लिए उत्सुक है,जो संगीत प्रेमियों को मूल और विदेशी धुनों को लेकर आएगा।

संसद में विपक्ष पर बरसी सुषमा, कहा- सच जल्द आएगा सामने

इराक में गायब 39 भारतीयों पर गुरुवार को संसद में बोलते हुए विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कहा कि हरजीत देश को भ्रमित करने का काम कर रहा है न कि केंद्र सरकार। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक एजेंडा है और सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा के सवाल पर सुषमा ने कहा, मैं जानती हूं कि हरजीत किस सोर्स के जरिए भारत आया। उसके भारत आने के बाद मैंने सबसे पहले उससे बात की थी। जैसे ही मुझे लापता 39 भारतीयों के बारे में खबर मिलेगी, मैं ट्विटर या सदन के माध्यम से देश को सूचित करूंगी।

इसके बाद कांग्रेस नेता अंबिका

सोनी ने सवाल किया कि पिछले तीन सालों से मैं यह मसला उठा रही हूं। हम सवाल पूछते हैं और विदेशमंत्री आश्वासन देती हैं कि वे भारतीय जिंदा हैं और सर्च अभियान चल रहा है। सोनी के इस सवाल पर विदेशमंत्री ने तल्ख तेवर में कहा, मैं लगातार इस बात को दोहराती रही हूं कि हमारे पास उनके जीवित होने या मारे जाने के कोई सबूत नहीं हैं। विपक्ष हमसे हमारे स्त्रोत का खुलासा करने को कह रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री सदन में बैठे हुए हैं। उन्हें बताने दीजिए कि मैं अपने सोर्स का खुलासा करूं या नहीं।

एपीजे अब्दुल कलाम ने युवाओं को रोजगार सृजक बनने के लिए प्रेरित कियाः मोदी

नई दिल्ली। रामेश्वरम में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि रामेश्वरम की इस पवित्र मिट्टी को छूकर वह सम्मान महसूस कर रहा हूं जो गहरी आध्यात्मिक ज्ञान का केंद्र माना जाता है। उन्होंने कहा, 'यह वो पवित्र भूमि है, जिसने भारत को एपीजे अब्दुल कलाम जैसा बेटा दिया था। उन्होंने कहा कि एपीजे अब्दुल कलाम स्मारक बनाने में प्रतिबद्धता के साथ काम करने वाले मजदूरों को खड़े होकर सलाम करना चाहिए। डॉ. कलाम ने देश की युवा पीढ़ी को प्रेरित किया। मैं आज देख सकता हूं कि ये उनकी प्रेरणा का ही परिणाम है कि युवा पीढ़ी जॉब क्रिएटर बन रही है। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जय ललिता को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'मैं यहां अम्मा की कमी को बहुत महसूस कर रहा हूं। लेकिन मुझे यकीन है कि उनकी आत्मा हमें आशीर्वाद दे रही होगी। अगर अम्मा आज हमारे बीच होतीं,

तो बहुत खुश दिखाई देतीं और अपना आशीर्वाद हमें देतीं। वह एक लीडर थीं, यह बात हम सब जानते हैं।' मछुआरों के लिए भाजपा द्वारा किए गए कल्याणकारी उपायों का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा, 'समुद्र में हमारे मछुआरे छोटी नाव लेकर जाते हैं, तो उन्हें इस बात का पता ही नहीं चलता कि भारत की सीमा में हैं या किसी दूसरे देश में चले गए।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कलाम संदेश वाहिनी नामक प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो देश के विभिन्न राज्यों में यात्रा कर 15 अक्टूबर को राष्ट्रपति भवन पहुंचेगी, इस दिन पूर्व राष्ट्रपति की जयंती है। रामेश्वरम से अयोध्या के लिए एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाई। दरअसल, भाजपा ने उत्तर और दक्षिण के हिंदुओं को जोड़ने के लिए रामेश्वर से आयोध्या तक सीधी एक्सप्रेस ट्रेन की सौगाता सौंपी है। इससे पहले मोदी ने रामेश्वरम में कलाम स्मारक का उद्घाटन किया।

बिहार की राजनीति पर बसपा सुप्रीमो बोलीं

लोकतंत्र खतरे में है

नई दिल्ली। बिहार में सत्ता बदलने पर बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि नीतीश कुमार का फैसला देश के लोकतंत्र के लिए सही नहीं है और जो कुछ भी हो रहा है वो शुभ संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की आम जनता को आगे आकर देश के लोकतंत्र को बचाना होगा।

बसपा प्रमुख का ये बयान बिहार में सत्ता परिवर्तन पर आया है। बिहार में नीतीश कुमार ने लालू का साथ छोड़ अपनी पुरानी साथी भाजपा का हाथ थामकर सरकार बनाई है। दरअसल, बिहार की राजनीति में एक रात में ही कई समीकरण देखने को मिले। पहले नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव के करप्शन के मुद्दे पर इस्तीफा देते हुए

गठबंधन तोड़ा तो भाजपा ने उन्हें अपना समर्थन देने का ऐलान कर दिया। रातों रात बिहार में सत्ता परिवर्तन हो गया। नीतीश कुमार के इस फैसले के बाद जेडीयू के कई नेता उनसे नाराज चल रहे हैं। जेडीयू नेता शरद यादव इस कदर नाराज है कि जवाहर भवन जाकर राहुल गांधी से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने शाम पांच बजे अपने आवास पर नीतीश कुमार से नाराज नेताओं की बैठक बुलाई है। बैठक में अली अनवर और विरेंद्र कुमार शामिल होंगे। वहीं केरल में पार्टी की भूमिका तय करने के लिए बैठक की जाएगी। उधर, लालू प्रसाद यादव ने भी नीतीश कुमार पर जमकर भड़ास निकाली और उन्हें भस्मासुर तक कह डाला। इस क्रम में अब उन्होंने नया तंज कसा और बोला, नीतीश कंबल ओढ़कर घी पी रहे हैं। वैसे आपको बता दें कि जदयू भाजपा के गठबंधन के साथ नीतीश कुमार ने छठी बार राज्य मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है।

नीतीश के इस्तीफे से मिथिला में राजनीतिक हलचल बढ़ी

दरभंगा। आखिर जिसकी संभावना थी वहीं हुई। अपनी बेदाग छवि व भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस नीति पर अडिग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस्तीफा दे ही दिया। इसको लेकर मिथिला की राजनीति में मजबूत पकड़ बनाने वाले जदयू व राजद के अलावा अन्य दलों में राजनीतिक गतिविधि तेज हो गई है। जदयू ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार का यह ऐतिहासिक व स्वागत योग्य फैसला है। वहीं कांग्रेस ने सधी हुई टिप्पणी करते हुए कहा कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। वहीं भाजपा ने इसका स्वागत किया है। सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि यह महागठबंधन का अंदुरूनी मामला है। न तो मैं इसका स्वागत करता हूं न ही चन्दा। वहीं राजद ने मुख्यमंत्र नीतीश कुमार के इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व महागठबंधन का अंदुरूनी मामला है। इस राजनीतिक घटनाक्रम का न तो मैं स्वागत करता हूं न ही चन्दा। देखना यह है कि बिहार कहां जाता है।

पिकअप वैन चोरी करते इंजीनियरिंग छात्र धराया

मुजफ्फरपुर। बरूराज थाना क्षेत्र के लखनसेन निवासी पूर्व मुखिया ब्रजकिशोर सिंह की पिकअप वैन मंगलवार की रात चोरों ने उनके दरवाजे से चोरी कर ली। ग्रामीणों ने चोर गिरोह के एक सदस्य को खदेड़ कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपने अन्य साथियों के साथ घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। उसकी पहचान मनियारी थाना क्षेत्र के शाहपुर मरीचा निवासी निवासी पूर्व मुखिया हरिनंदन राय के पोता गुड्डू राय के रूप में हुई है।

गुड्डू चंडीगढ़ के एक कॉलेज में इंजीनियरिंग फाइनल वर्ष का छात्र है। उक्त मामले में ग्रामीणों ने फुलवरिया चौक पर गैराज चलाने वाले हीरा राई को भी पुलिस के हवाले किया है। इस मामले में पूर्व मुखिया के पुत्र अभय कुमार सिंह ने अज्ञात लोगों पर प्राथमिकीं दर्ज करने के लिए पुलिस को लिखित आवेदन दिया है। इधर, चोरी की घटनाओं में वृद्धि के खिलाफ लोगों ने फुलवारिया सड़क पर जमकर बवाल काटा। लोग थानाध्यक्ष को बुलाने की माग कर रहे थे। पूर्व मुखिया ने बताया कि रात में बिजली नहीं होने के कारण परिवार के लोग छत पर सोये थे। बोलेरो व पिकअप दरवाजे पर थी। देर रात 1.20 बजे गाड़ी स्टार्ट होने की आवाज सुनाई दी। जबतक छत से उतरते, चोर गाड़ी बीआर 06 एम 1431 लेकर भागने लगे।

चोरों ने बोलेरो का गेट लॉक तोड़ दिया था। अपने पुत्र व ग्रामीणों के साथ जोर का पीछा करने लगे। फुलवरिया चौक से दो किलोमीटर की दूरी पर बाइक से जा रहे दो युवकों को रोका। रोकते ही एक युवक भाग गया, जबकि दूसरे को लोगों ने धर दबोचा। पूछताछ में उसने पिकअप चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। लोगों ने मिस्त्री हीरा राय को भी सोये अवस्था में उसके आवास से पकड़ लिया। दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

पेट्रोल पंपों की मॉनीटरिंग का खाका तैयार

इलाहाबाद। दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के लिए जागरूकता अभियान और कार्रवाई की अगली कड़ी में अब पेट्रोल पंपों पर सख्ती की तैयारी है। बिना हेलमेट वालों को पेट्रोल न देने के निर्देश है, हालांकि ट्रैफिक मान ही है कि इसे सख्ती से लागू न कर लापरवाही बरती जा रही है। बुधवार को एसपी ट्रैफिक कुलदीप सिंह ने पेट्रोल पंप एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ संगम सभागार में बैठक कर नई रूपरेखा तैयार की। एसपी ट्रैफिक के मुताबिक, अब पेट्रोल पंपों की मॉनीटरिंग की तैयारी है। यह जिम्मेदारी एसोसिएशन को ही दी गई है ताकि वह शहर के सभी पेट्रोल पंपों पर इसे सख्ती से लागू करें। इसके लिए वाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इसी प्रकार पंपों की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग निकाल लापरवाह कर्मचारियों की शिनाख्त की जाएगी। इसी प्रकार छह बिंदुओं की रूपरेखा तैयार की गई। एसोसिएशन ने वायदा किया कि बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं देने दिया जाएगा। हेलमेट अभियान के तहत यातायात पुलिस ने बुधवार को भी शहर के तमाम चौराहों पर जागरूकता अभियान चलाकर वाहनों की चेकिंग की। सुभाष चौराहा, मेडिकल कालेज चौराहा, म्योहाल, लोकेसेवा आयोग, धूमनगंज, खुल्दाबाद आदि इलाकों में यातायात पुलिस ने दर्जनों गाड़ियों का चालान किया।

Natural' खूबसूरती से भरपूर इस झरने पर लगता है पर्यटकों का मेला

घूमना-फिरना तो हर किसी को पसंद होता है। वैसे तो दुनिया में घूमने लायक बहुत-सी जगहें हैं लेकिन आज हम झारखंड की राजधानी रांची शहर की बात कर रहें है। जिसे झरनों का शहर भी कहा जाता है। यहां के सुंदर प्राकृतिक नजारे पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। इसके साथ ही यहां पर बहुत से खूबसूरत मंदिर भी है। अगर आप भी वीकेंड का प्लान कर रहें है तो पिकनिक स्पॉट के रूप में आपको ये जगहें बेहद पसंद आएगी।

1. रांची में स्थित जोन्हा फॉल को गौतमधारा के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यहां पर गौतम बुद्ध ने स्नान किया था जिसके कारण इसका नाम गौतमधारा पड़ गया। यहां पर घूमने के लिए इतने पर्यटक आते है कि यहां पर मेला लग जाता है। इसके आस-पास का नजारा पर्यटकों को मंत्र-मुग्ध कर देता है लेकिन जून के मौसम में ज्यादा गर्मी पड़ने के कारण यह झरना सूख जाता है।

2. स्थानीय लोग जोन्हा को गंगा नाला भी कहते हैं, क्योंकि इसकी धारा गंगा घाट से आती है। इसकी ऊंचाई लगभग 150 फीट है। गांव से 453 कदम नीचे जाने पर आप झरने तक पहुंच जाएंगे। इस धारा की दूसरी तरफ कोनारडीह और दुआरसीनी गांव है।

3. राढ़ू नदी के किनारे पर स्थित इस झरने के पास ही एक सीताधारी नामक छोटा सा गांव है। यहां पर ज्यादातर मौसम ठंडा ही रहता है। जिसके कारण यहां भारी मात्रा में पर्यटक घूमने के लिए आते है। इस शहर की हरी-भरी वादियों और खूबसूरत प्राकृतिक नजारों को देखकर आपका मन यहां से जाने को नहीं करेगा। यहां का पानी ऊंची पहाड़ी से गिरते हुए बहुत सुंदर लगता है।

4. वैसे तो सारा साल ही यहां पर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है लेकिन मंगलवार और गुरुवार को इस जगह पर बहुत से पर्यटक आते है। बारिश होने पर यह फॉल और भी सुंदर हो जाता है। गौतमधारा के एक छोर पर बुद्ध को समर्पित एक मंदिर और आश्रम है, जिसे राजा बालदेवदास बिरला के बेटों ने बनवाया था।

5. इस मंदिर का निर्माण हिंदू धर्म के साथ-साथ आर्य धर्म की सभी शाखाओं, यानी बौद्ध, जैन, सिक्ख, सनातन और आर्य समाज के लिए भी करवाया गया है। इसके अलावा घूमने के लिए यहां पर प्राचीन समय में बनाए गए पहाड़ी और सूर्य मंदिर भी है।

बिना किसी वाहन के 30 टन तरबूज को पहुंचा दिया एक जगह से दूसरी जगह

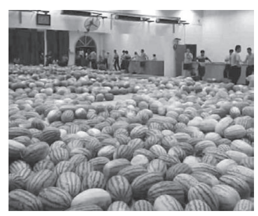

आमतौर पर किसी भारी या वजनी सामान को ले जाने के लिए वाहन या मशीन का प्रयोग करते हैं। इतने वजनदार सामान को उठाना इंसान के बस की बात तो नहीं। लेकिन इसे कर दिखाया है चीन की एक यूनिवर्सिटी के छात्रों ने। खबरों की मानें तो चीन के झेन्गझोयु में सियास यूनिवर्सिटी के छात्रों ने मिलकर यह अनोखा कारनामा किया है। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी हफ्ते भर से काफी वायरल हो रहा है। मानव श्रृंखला बनाकर पहुंचा दिया तरबूज- सियास कॉलेज के छात्र व प्रोफेसर पिछले कई दिनों से गर्मी से काफी परेशान हैं। ऐसे में कॉलेज प्रबंधन ने इन्हें राहत देने के लिए तरबूज मंगवाए। जाहिर है इतने बड़े कॉलेज में छात्रों की संख्या भी काफी ज्यादा होगी। ऐसे में मैनेजमेंट ने करीब 30 टन तरबूज का ऑर्डर दिया। अब इसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए गाड़ी या मशीन का इस्तेमाल नहीं हुआ। बल्कि छात्र 'ह्यूमन चेन' बनाकर तरबूज को एक-दूसरे के हाथों में थमाते चले गए। इससे बिना किसी अतिरिक्त खर्चे के तरबूज अपनी जगह पहुंच गया।

मुंह में हिरन का बच्चा दबाए दिखी शेरनी, आगे किया हैरानी भरा काम

जंगली जानवरों को उनकी आक्रमकता के लिए जाना जाता है। लेकिन जब वो अपनी इमेज से इतर कोई काम करते हैं, तो हैरानी होना लाजमी है। ऐसा ही एक नजारा सॉउथ अफ्रीका के क्रुगर नेशनल पार्क में देखने को मिला, जिसे ग्रैमी मिशलेय नाम के एक शख्स ने कैमरे में कैद कर लिया।

ये तस्वीर 45 साल के ग्रैमी ने तब खींची, जब वी अपनी बीवी के साथ पार्क में ट्रिप पर गए थे। दोनों घूम ही रहे थे कि अचानक उनकी नजर सड़क पार कर रही एक शेरनी पर पड़ी, जिसके मुंह में हिरन का बच्चा दबा था। देखने से पता चल रहा था कि बच्चा कुछ ही दिनों का है। ग्रैमी देखना चाहते थे कि शेरनी बच्चे को खुद खाएगी या अपने बच्चों के लिए ले जाएगी। लेकिन जब उन्होंने अपनी वाइफ के साथ उनका पीछा किया तो दोनों हैरान रह गए। शेरनी ने थोड़ी दूर जाकर बच्चे को नीचे रखा और उसे जीभ से चाटने लगी। दोनों के लिए ये काफी रोमांचक पल था कि जंगली जानवरों के मन में भी दूसरे जानवरों के बच्चे के प्रति ममता बसती है। ग्रैमी के मुताबिक, उस सीन को देख ऐसा लग रहा था मानों हिरन अपनी मां से बिछड़ गया था और शेरनी उसका ख्याल रख रही थी। थोड़ी देर तक हिरन का बच्चा भी शेरनी के साथ खेलता रहा।

वापस आने के बाद ग्रैमी ने तस्वीरें सोशल साइट्स पर शेयर की। दिल को छूने वाली ये फोटोज लोगों को भी काफी पसंद आई। इन तस्वीरों को कई बार शेयर किया गया। इतना ही नहीं, कई न्यूज वेबसाइट्स पर भी तस्वीरें पब्लिश हुई।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
यात्रा मनोरंजक रहेगी। आनंदोत्सव में भाग ले सकते हैं। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। निवेश व यात्रा मनोनुकूल रहेंगे।

वृष
दुःखद सूचना मिल सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी।

मिथुन
घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। मेहनत का फल मिलेगा। प्रशंसा होगी। जल्दबाजी न करें। धर्नाजन होगा।

कर्क
शुभ समाचार मिलेंगे। पूछ-परख बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। अपव्यय से तनाव होगा। लाभ होगा।

सिंह
बेरोजगारी दूर होगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें।

कन्या
व्ययवृद्धि होगी। जोखिम उठाने व जल्दबाजी से बचें। व्यर्थ दौड़धूप होगी। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। थकान रहेगी।

वृश्चिक
कार्यस्थल पर सुधार होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। राजनीतिक लाभ मिल सकता है। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

धनु
तंत्र-मंत्र में आस्था बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। कुसंगति से हानि होगी। कष्ट संभव है।

मकर
चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। झंझटों में न पड़ें। कुसंगति से बचें। जोखिम न लें। कष्ट संभव है।

कुंभ
वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धनलाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद न करें।

मीन
संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। लाभ होगा।

चीनी सर्जन ने खुद गले में कैमरा डाल अंदर का देखा हाल

जब चीनी सर्जन ने खुद गले में डाल लिया कैमरा, अंदर का हाल ऐसा दिखा जब चीनी सर्जन ने खुद गले में डाल लिया कैमरा, अंदर का हाल ऐसा दिखा क्या आपने किसी डॉक्टर को मरीज के दर्द का अहसास करने के लिए अपने गले में कैमरा डालते देखा है। शायद नहीं लेकिन हाल ही में एक सर्जन ने अपने गले में कैमरा डालकर देखा अंदर का हाल

कैमरे के साथ एक छोटी सी ट्यूब

जी हां अक्सर लोग कहते हैं कि डॉक्टर इलाज के दौरान मरीज को होने वाली तकलीफ की फिक्र नहीं करते हैं। वे बस उसके उपचार में लगे रहते हैं। जबकि ऐसा नहीं है। हाल ही में पूर्वी चीन में इसका एक बड़ा उदाहरण देखने को मिला है। यहां के टाइटन हॉस्पिटल में एक सर्जन ली जिओपेई ने मरीजो को गैस्ट्रोस्कोपी में होने वाले दर्द को अहसास करने के लिए खुद की गैस्ट्रोस्कोपी कर

डाली। गैस्ट्रोस्कोपी पेट के अंदर और आंतो आदि के हालातों को बेहतर ढंग से समझने के लिए की जाती है। गैस्ट्रोस्कोपी करते समय एक कैमरे के साथ एक छोटी सी ट्यूब मरीज के गले में डाली जाती है। ऐसे में जब वह मरीजों की गैस्ट्रोस्कोपी करती थीं तो उन्हें काफी तकलीफ होती थी। मरीज अक्सर उनसे अक्सर अपना दर्द बताते थे। इस पर एक दिन जिओपेई ने कैमरे के साथ एक छोटी सी ट्यूब अपने गले में डाल ली। इसके बाद वह अपने अंदर का हाल देखकर हैरान थीं।

सबसे खास बात तो यह है कि सर्जन जिओपेई के इस प्रक्रिया का एक वीडियो भी बना है। जो उनकी फ्रेंड ने बनाया है। इतना ही नहीं यह वीडियो दूसरे डॉक्टरों के लिए भी पेश किया गया है। वहीं इस संबंध में सर्जन जिओपेई का कहना है कि उन्होंने अपने अंदर कैमरा और ट्यूब इसलिए डाला कि जिससे वह अपने अंदर का हाल देखने के साथ ही मरीज को होने वाले दर्द का अहसास कर सके। इससे वह मरीज का इलाज और ज्यादा अच्छे से कर पाएंगी। उनका कहना है कि इंटरनेट पर पोस्ट इस वीडियो को जब ज्यादा से ज्यादा डॉक्टर देखेंगे तो वे भी मरीज का दर्द समझेंगे। उन्हें अहसास होगा कि ऐसी जांचों में मरीज को कितना दर्द होता है। इससे वह उसका इलाज बेहतर ढंग से करेंगे। वहीं इस पूरी प्रक्रिया को लेकर माना जा रहा है कि यह सर्जन जिओपेई का एक अनोखा रिसर्च था।

जानलेवा हो सकता है फ्रेंच फ्राइस खाना

फ्रेंच फ्राइस का नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। विकेंड पर या मूवी देखते समय हर कोई फ्रेंच फ्राइस खाना पसंद करता है। कुछ जगहों पर इसे फिंगर चिप्स या फ्राइट्स भी कहते है। यहां पर ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इसे बहुत पसंद किया जाता है। बड़ों से लेकर बच्चों तक यह सबका पसंदीदा फूड बन गया है लेकिन क्या आपको पता है कि फ्रेंच फ्राई खाने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसे खाने से हाई ब्लड प्रेशर से लेकर हृदय रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा भी फ्रेंच फ्राइस खाने से कई तरह की जानलेवा बीमारियां हो सकती है।

1. ब्लड प्रैशर

तले हुए आलू खाने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा सबसे ज्यादा होता है। आलू को तलने के बाद इसे पचाना बहुत मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा तला हुआ आलू खाने से शरीर में ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ जाती है जिससे डायबीटिज जैसी समस्या भी हो सकती है। इसको खाने से बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है।

2. वजन बढ़ना

मिडियम फ्राइज में करीब 542 कैलरिज होती है। आलू को फ्राई करने के बाद इसके सारे पोषक तत्व खत्म हो जाते है। जिससे इसमें फैट, स्टार्च और ऑयल की मात्रा भी बहुत बढ़ जाती है और रोजाना इसके सेवन से वजन बढ़ने लगता है।

3. सेहत को खतरा

मैकडोनाल्ड हो या फिर मॉल हर कोई बर्गर के साथ फ्रेंच फ्राइज ही पसंद करता है। एक शोध में यह बात सामने आई है कि फ्रेंच फ्राइस खाने से सेहत को जानलेवा खतरा हो सकता है। इसमें भरपूर मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है जिससे शरीर को कई तरह की बीमारियां हो सकती है।

4. कैंसर

लगभग 8 साल की रिसर्च के बाद यह निष्कर्ष निकला गया है कि फ्रेच फ्राई में मौजूद एक्रिलामाइड कैमिकल ही सबसे ज्यादा हानिकारक होता है। इसे अधिक सेवन कैंसर जैसी बिमारियों को पैदा करता है। इसका सबसे ज्यादा असर 3 से 5 साल के बच्चों पर पड़ता है।

5. हृदय रोग

बेक्ड, तले हुए या मसले हुए आलूओं को चार हफ्ते से ज्यादा खाने पर हृदय रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। पुरुष और स्त्री दोनों में ही समान रुप से बीमारियों का खतरा होता है।

सैल्फी लेने का है क्रेज तो काम आएंगे ये मेकअप टिप्स

लड़कियों को सैल्फी लेने का बहुत शौंक होता है। कहीं पर वह कोई खूबसूरत जगह देख लें तो सैल्फी मिस नहीं करना चाहती। इसके लिए वह अपने आउटफिट्स और मेकअप का भी पूरा ध्यान रखती हैं। दूसरी फोटोग्राफ से सैल्फी अच्छी भी बहुत आती है। आपको भी इसी तरह सैल्फी लेने का शौंक हैं तो मेकअप के कुछ टिप्स आपके बहुत काम आने वाले हैं।

1. टच अप

सैल्फी में फ्रेश लुक हो तो आपकी खूबसूरती और भी बढ़ जाती है। इसके लिए ज्यादा मेकअप करने की बजाए फेस को हल्का टच अप दें। इससे आपकी लुक बहुत लगेगी।

2. न्यूड मेकअप

इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए कि सैल्फी किस जगह पर लें रहे हैं। कॉलेज में सैल्फी के लिए न्यूड मेकअप अच्छा रहता है। अपनी स्किन से मेल खाता मेकअप लुक को अट्रैक्टिव बना देता है।

3. आंखे हाइलाइट

कम रोशनी या फिर नैचुरल लाइट में सैल्फी ले रहे हैं तो हल्के मेकअप के साथ आंखों को लाइनर और मस्कारे से हाइलाइट करें। इसके साथ हल्का पिंक ब्लशर चेहरे चमकदार बना देता है।

4. बीबी क्रीम

सैल्फी में सिंपल दिखना चाहती हैं तो इसके लिए बीबी क्रीम का इस्तेमाल करें। आप चाहें तो हल्का फाउंडेशन भी लगा सकती हैं। इससे फेस नैचुरल लगेगा।

5. परफैक्ट आइब्रो

चेहरे पर कोई मेकअप नहीं करना चाहती तो सिर्फ आइब्रो को हाइलाइट करें। इसके लिए डार्क आई ब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करें।

आंखों की सूजन को गायब करेंगे ये चमत्कारी टिप्स

कई बार आंखों पर सूजन आ जाती है जिस वजह से घर से बाहर निकलना तक भी मुश्किल हो जाता है। आंखों पर सूजन आने के कई कारण है जैसे थकान, ज्यादा समय एक ही काम पर नगरे झुकाएं बैठे रहना, नींद पूरी न होना अन्य आदि। अगर आपको भी आंखों पर सूजन की समस्या रहती है तो इन घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करें। इनसे काफी असर दिखाई देगा।

1. खीरा

खीरा न केवल आंखों की सूजन दूर करता है बल्कि इससे आंखों में अलग सी चमक आती है। आंखें फ्रेश दिखाई देती है। खीरे की स्लाइस काटकर उन्हें आंखों पर 8-10 मिनट के लिए रखें। इससे आंखों की सूजन कम होगी।

2. आलू

कच्चे आलू का रस निकाल लें। फिर इसमें तेल मिलाकर आंखों के चारों तरफ लगाएं। इसके अलावा कच्चे आलू को छिलकर पेस्ट बना लें। फिर इसको आंखों पर लगाएं। इससे सूजन दूर होगी।

3. पानी

पानी शरीर को हाइड्रेट करने का काम करता है। दिन में 8-10 गिलास पानी पीने से आंखों की सूजन दूर होती है। इसके अलावा हल्के गुनगुने पानी या फिर दूध से दिन में कई बार आंखों को धोएं।

4. एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके लिए आपको एक सूखे स्वच्छ कपड़े को एलोवेरा जैल में डूबों लें फिर इससे आंखों को पोंछ लें।

5. शहद

एक चम्मच शहद में आंवले का रस मिलाकर दिन में दो बार पीने से आंखों की सूजन कम होती है। इससे आंखों को संक्रमण से भी बचाया जा सकता है।

गले के दर्द से हैं बेहाल तो अभी करें ये काम

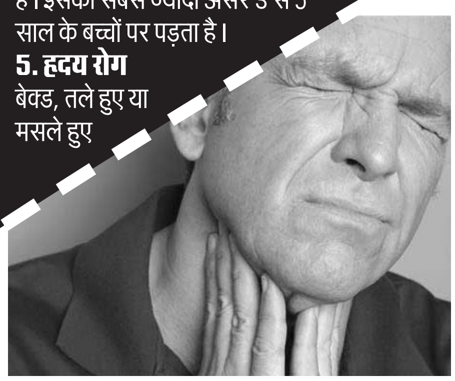

वातावरण में धूल-मिट्टी होने के कारण कई बार गला खराब हो जाता है और सूजन हो जाती है। गले की इस सूजन को लेरिन्जाइटिस भी कहते हैं। जिससे आवाज बैठ जाती है। बोलने में परेशानी,खाना न खा पाना और खांसी होना इसके आम लक्षण हैं। ठंडा पानी,तला हुआ खाना या फिर खट्टी चीजें खाने से भी यह परेशानी हो सकती है। गले को जल्दी ठीक करने के लिए घरेलू उपाय भी बेहद कारगर हैं।

1. प्याज का रस

प्याज का रस निकाल कर 2 चम्मच गुनगुने पानी के साथ इसका सेवन करें। इससे गले की सूजन कम हो जाती है।

2. लहसुन

लहसुन घरेलू इलाज के लिए बेहद लाभकारी है। इसके एंटीबैक्टिरियल गुण इंफैक्शन को दूर करने में बहुत फायदेमंद है। गला बैठ जाए तो लहसुन की एक छोटी सी कली लेकर अपने मुंह में रखकर धीरे-धीरे चूसे।

3. नींबू

विटामिन सी से युक्त नींबू गले से सूजन ठीक करने में लाभकारी है।

एक कप गुनगुने पानी में थोड़ा सा नमक और नींबू का रस मिलाकर गरारे करें। इससे गले की खराश और सूजन ठीक हो जाती है।

5. एप्पल साइडर विनेगर

गले की सूजन दूर करने के लिए 2 बड़े चम्मच एप्पल साइडर विनेगर,1 कप गुनगुना पानी और थोड़ा-सा शहद मिलाकर दिन में 2 बार पीएं।

दूसरे दिन का खेल खत्म

श्रीलंका ने 5 विकेट गवांकर बनाए 154 रन

गाले। चेतेश्वर पुजारा (153) की शानदार शतकीय पारी और अजिंक्या रहाणे (57) तथा पदार्पण टेस्ट खेल रहे हार्दिक पांड्या (50) के अर्धशतकों से भारत ने श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में गुरूवार को 600 रन का विशाल स्कोर बना दिया जिसके दबाव में मेजबान टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपने पांच विकेट 154 रन पर खो दिए। श्रीलंका अभी भारत के स्कोर से 446 रन पीछे है जबकि उसके पांच विकेट बाकी हैं। श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा मंडराने लगा है। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंकाई पारी में दमदार प्रदर्शन किया और मेजबान टीम को शुरूआत से ही झकझोरे रखा। मोहम्मद शमी ने 30 रन पर दो विकेट, उमेश यादव ने 50 रन पर एक विकेट और रविचंद्रन अश्विन ने 48 रन पर एक विकेट झटक लिया। भारत ने इससे पहले कल के तीन विकेट पर 399 रन से आगे खेलना शुरू किया और 201 रन जोड़कर टीम ने अपने शेष सात विकेट गंवा दिए लेकिन टीम 600 के गगनचुंबी स्कोर तक पहुंच गई। भारत ने लंच तक सात विकेट पर 503 रन बनाए थे और उसकी पारी दूसरे सत्र में ड्रिंक्स के कुछ देर बाद सिमटी। कल 144 रन पर नाबाद पुजारा अपने स्कोर में नौ रन का इजाफा कर 153 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने 265 गेंदों की पारी में 13 चौके लगाए। पुजारा का विकेट 423 के स्कोर पर गिरा। इसके नौ रन बाद रहाणे भी पवेलियन लौट चले। रहाणे ने 130 गेंदों पर 57 रन में तीन चौके लगाए। श्रीलंका की शुरूआत खराब रही और ओपनर दिमुथ करूणारत्ने मात्र दो रन बनाकर तेज गेंदबाज उमेश यादव की गेंद पर पगबाधा हो गए। श्रीलंका का पहला विकेट सात के स्कोर पर गिरा। उपुल तरंगा(64) और दानुष्का गुणातिलका (16) ने दूसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। श्रीलंकाई पारी संभलती नकार आ रही थी कि 15वें ओवर में मोहम्मद शमी ने गुणातिल्का को शिखर के हाथों कैच करा दिया। शमी ने इसी ओवर की आखिरी गेंद पर कुशल मेंडिस को भी शिखर के हाथों कैच कराकर श्रीलंका का स्कोर तीन विकेट पर 68 रन कर दिया। एक छोर पर टिककर रन बना रहे तरंगा टीम के 125 के स्कोर पर रनआउट हो गए।

टी-20 विश्व कप में खेल सकती हैं कप्तान मिताली राज

नई दिल्ली। पिछले 18 साल से भी अधिक समय से भारतीय महिला क्रिकेट की रीढ़ बनी मिताली राज ने अभी अपने भविष्य को लेकर कुछ भी तय नहीं किया है। उनका मानना है कि फॉर्म व फिटनेस होने पर वह अगले विश्व कप में भी खेल सकती हैं लेकिन फिलहाल उन्होंने अपनी निगाह अगले साल वेस्टइंडीज में होने वाली ट्वेंटी20 विश्व चैंपियनशिप पर टिका दी हैं।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड में हाल में संपन्न हुए आईसीसी महिला विश्व कप में उप विजेता रही भारतीय टीम की खिलाड़ियों को 50-50 लाख रुपए और सहयोगी स्टाफ को 25-25 लाख रुपए देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मिताली ने भविष्य की अपनी योजनाओं का भी खुलासा किया। मिताली से जब पूछा गया कि क्या वह अगले विश्व कप में भी खेलना चाहती हैं, उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी होने के नाते हर कोई चाहता है वह खेले। जब तक मेरी फॉर्म और फिटनेस रहती है मैं तब तक खेलना चाहूंगी। अभी अगले विश्व कप में चार साल का समय है और इस बीच क्या होगा कोई नहीं जानता। हमारा ध्यान अब फिलहाल अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप पर है। मिताली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1999 में डेब्यू किया था लेकिन तब से लेकर अब तक वह केवल दस टेस्ट मैच खेल पायी हैं। बीसीसीआई से जुड़ने के बाद

पिछले 11 सालों में उन्होंने केवल दो टेस्ट मैच खेले हैं। इस बारे में पूछने पर भारतीय कप्तान ने कहा, किसी क्रिकेटर के कौशल की असली परीक्षा टेस्ट मैचों में होती है। एकाग्रता, संयम और कौशल के लिहाज से टेस्ट खेलना जरूरी है। महिला टेस्ट भी जरूरी है लेकिन अभी टी20 का जमाना है तथा टी20 और वनडे से खेल को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है।

टेस्ट भी महत्वपूर्ण है लेकिन अगर भारतीय टीम इसके लिये तैयार है तो दूसरी टीम भी तैयार होनी चाहिए। मिताली ने कहा कि विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन का कारण इसके लिये बेहतर तैयारियां रही। उन्होंने कहा, विश्व कप में जाने से पहले किसी ने नहीं सोचा था कि हम फाइनल में पहुंचेंगे। यह विश्वकप वास्तव में कड़ा था लेकिन हमारी तैयारियां अच्छी थी। हमने इससे पहले कुछ महत्वपूर्ण सीरीज खेली और इसके लिये मैं बीसीसीआई का आभार व्यक्त करना चाहती हूं। मिताली ने कहा, मुझे अपनी साथी खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने बहुत अच्छी क्रिकेट का प्रदर्शन किया। सहयोगी स्टाफ की भूमिका भी अहम रही। कैसी भी परिस्थिति रही हो ड्रेसिंग रूम का माहौल हमेशा सकारात्मक रहा। इससे खिलाड़ियों ने हर मैच में बेहतर प्रदर्शन किया। हम एक परिवार की तरह रहे और इसका असर मैदान पर भी दिखा।

राहुल जौहरी को एसजीएम से बाहर करने पर बीसीसीआई पदाधिकारियों को नोटिस

नई दिल्ली। प्रशासकों की समिति ने सीईओ राहुल जौहरी को एसजीएम में भाग लेने की अनुमति नहीं देने पर बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना समेत अन्य पदाधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं। वहीं, कार्यवाहक सचिव अमिताभ चौधरी और कोषाध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी को भी नोटिस जारी किए गए हैं। सीओए की 6 अप्रैल को दी गई तीसरी स्थिति रिपोर्ट में जौहरी को बीसीसीआई की सभी बैठकों में उसका प्रतिनिधि बताया गया था, लेकिन बुधवार को बोर्ड की आमसभा की विशेष बैठक में जौहरी को भाग नहीं लेने दिया गया। कार्यवाहक सचिव अमिताभ ने जौहरी को बैठक से चले जाने के लिए कहा।

ईमेल भेज मांगा जवाब : *उन्होंने यह दलील दी थी कि उच्चतम न्यायालय के 24 जुलाई के फैसले में साफ तौर पर कहा गया है कि सिर्फ राज्य संघों के पदाधिकारी ही एसजीएम में भाग ले सकते हैं और वे इस आदेश का पालन कर रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'सीओए ने खन्ना, अमिताभ चौधरी और अनिरूद्ध चौधरी को ईमेल भेजे हैं।*

श्रीधर को भाग नहीं लेने दिया : *सीओए जानना चाहता है कि राहुल जौहरी को बैठक में भाग लेने क्यो नहीं दिया गया। अब तक जौहरी ने बीसीसीआई से जुड़ने के बाद बाहैसियत सीईओ तमाम बैठकों में भाग लिया है।' जौहरी के अलावा महाप्रबंधक एम वी श्रीधर को भी बैठक में भाग लेने नहीं दिया गया।*

बिएल चेस चैंपियनशिप में हरिकृष्ण ने निको के साथ साझा किए अंक

बिएल (स्विट्जरलैंड)। भारत के अग्रणी पुरुष शतरंज खिलाड़ी ग्रैंड मास्टर पेंटला हरिकृष्ण ने बिएल चेस चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में स्विट्जरलैंड के ग्रैंड मास्टर निको जॉर्जियाडिस को कड़ी चुनौती दी और मैच ड्रॉ कराने में सफल रहे। विश्व की 20वीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने सफेद मोहरों के साथ खेलते हुए मंगलवार को हुए मुकाबले में गलत चाल के साथ शुरूआत की, जिसके चलते उन्हें पूरी बाजी रक्षात्मक अंदाज में खेलनी पड़ी। हालांकि वह अंत में अपने विपक्षी खिलाड़ी को अंक बांटने पर मजबूर करने में सफल रहे। मैच के बाद हरिकृष्ण ने कहा, मैंने शुरूआती दौर में गलती की और इसके बाद खराब स्थिति में आ गया। वहां से बचाव करना मेरे लिए मुश्किल काम था।

बॉक्सिंग : शिवा थापा ने भारत का पदक पक्का किया, तीन अन्य बॉक्सर भी सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। एशियाई रजत पदक विजेता बॉक्सर शिवा थापा (60 किलो) ने चेक गणराज्य में चल रहे ग्रां प्री उस्ति नाद लाबेम मुक्केबाजी टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। शिवा के अलावा तीन अन्य भारतीय मुक्केबाज भी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। शिवा ने स्थानीय मुक्केबाज एरिक हुलेव को हराया। उनके अलावा गौरव बिधुड़ी (56 किलो), कविंदर बिष्ट (52 किलो) और अमित फांगल (49 किलो) भी सेमीफाइनल में पहुंच गए जिन्हें बाय मिला है। सुमित सांगवान (91 किलो) और मनीष पंवार (81 किलो) भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। सुमित ने चेक गणराज्य के जिरि होरकी को और मनीष ने बेल्जियम के यासिने आइदिर को हराया। सतीश कुमार (प्लस 91 किलो), मनोज कुमार (69 किलो) और आशीष कुमार (64 किलो) को भी पहले दौर में बाय मिला है। इस टूनार्मेंट में खेल रहे नौ में से सात भारतीय मुक्केबाजों ने जर्मनी के हैम्बर्ग में 25 अगस्त से दो सितंबर तक होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई कर लिया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हम ये सुनना भी नहीं चाहते: विद्या बालन

अभिनेत्री विद्या बालन ने आज कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग बाल यौन शोषण के बारे में सुनना भी नहीं चाहते जो "भयावह" और 'व्यथित' करने वाला है। 'कहानी 2' अभिनेत्री ने शोषण की शिकार का किरदार निभाया था। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के बारे में पढ़कर उनकी कई रातें बिना सोये गुजरीं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, 'बाल यौन शोषण कुछ ऐसा है जो हम सुनना भी नहीं चाहते, उसे भूलना चाहते हैं। जब मैंने 'कहानी 2' की, मैंने कुछ चीजें पढ़ीं जिनसे मेरी नींद उड़ गयीं। वे बेहद व्यथित करने वाली थीं। सबसे ज्यादा परेशान वाली बात यह कि यह परिवार में हुआ, जो एक बच्चे के लिये सबसे सुरक्षित जगह होती है। यह भयावह है।' विद्या बीती शाम यहां अभिनेता राहुल बोस के गैर सरकारी संगठन एचईएएल के उद्घाटन के अवसर पर बोल रही थीं।

नमस्ते कनाडा में काम करने को रोमांचित हैं परिणीति

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा फिल्म नमस्ते कनाडा में काम करने को लेकर रोमांचित हैं। विपुल अमृतलाल शाह फिल्म नमस्ते कनाडा बनाने जा रहे हैं। फिल्म में परिणीति के साथ अर्जुन कपूर भी हैं। इससे पहले दोनों इश्कबाज में साथ काम कर चुके हैं। परिणीति ने ट्विटर पर लिखा, देशी फिल्म के साथ विदेशी दिल! मेरी तरह की फिल्म! नमस्ते कनाडा पर काम शुरू करने के लिए मरी जा रही हूं।

दीपिका को छोड़ रणवीर ने ढूंढ ली नई गर्लफ्रैंड!!

बॉलीवुड एक्ट्रैस दीपिका पादुकोण और एक्टर रणवीर सिंह को एक कपल के रुप में काफी लोग पसंद करते हैं। लेकिन इसी के साथ दीपिका और रणवीर के ब्रेकअप की काफी खबरें सामने आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक दीपिका और रणवीर के बीच कोई मनमुटाव नहीं है। बस काम का दबाव दोनों के बीच धीरे-धीरे दूरियां ले आया है। इतना ही नहीं, यह भी कहा जा रहा है कि रणवीर ने तो अपने लिए नई गर्लफ्रैंड भी ढूंढ ली है। रणवीर जल्द से जल्द शादी करके घर बसाना चाहते थे लेकिन दीपिका अभी करियर पर फोकस करना चाहती हैं, लेकिन शायद रणवीर अब दीपिका को स्पेस देते-देते थक गए हैं। लिहाजा उन्होंने जिंदगी में आगे बढ़ने का फैसला कर लिया है। बता दें कि दीपिका और रणवीर करीब 5 साल साथ रहे हैं। इस दौरान दोनों की सगाई की खबरें भी कई बार सामने आ चुकी हैं। लेकिन दोनों में कोई कड़वाहट नहीं है। बस एक दूसरे को टाइम न दे पाने की वजह से दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दूर हो गए हैं।